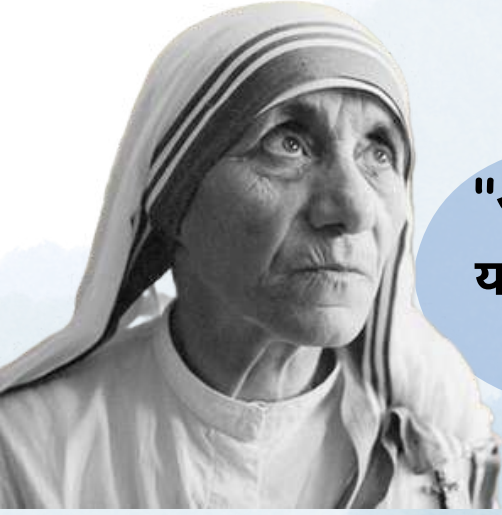


शांति क्लब पाठ्यक्रम

शांति के लिए एक साथ





"अगर हमारे पास शांति नहीं है, तो यह इसलिए है क्योंकि हम भूल गए हैं कि हम एक-दूसरे के हैं।"
मदर टेरेसा

****अस्वीकरण****

यह पुस्तक बच्चों और युवाओं को जागरूक और सशक्त बनाने के लिए समर्पित है, ताकि उनमें समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव जागृत हो सके। यहाँ प्रस्तुत सामग्री को ध्यानपूर्वक चुना गया है, ताकि यह उनके ज्ञान को बढ़ाए, सकारात्मक विकास को प्रोत्साहित करे, और सामाजिक भलाई के प्रति उनके समर्पण को मजबूत करे। हमारा उद्देश्य है कि यह पुस्तक नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत की समझ को बढ़ाए, सकारात्मक संवाद को बढ़ावा दे और आपसी सम्मान के महत्व को समझने में सहायक हो।

हम चाहते हैं कि यह पुस्तक हमारे समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गहरी सराहना पैदा करे और भविष्य को उज्ज्वल बनाने में युवाओं को प्रेरित करे। ध्यान दें, यह पुस्तक केवल शिक्षा और जागरूकता के लिए है और बिक्री के लिए नहीं है।

लेखन, संकलन एवं रचना : अनिमेष विलियम्स
प्रकाशित कारितास इंडिया 2024

निर्देशक की कलम से



प्रिय पीस क्लब के बच्चो,

आपकी शांति और सौहार्द के प्रति लगन हमें गर्व और अपार खुशी देती है। आप वास्तव में एक सामंजस्यपूर्ण दुनिया के लिए हमारे मिशन के केंद्र में युवा राजदूत हैं। आपका समझना, दूसरों के प्रति संवेदना और एकता के प्रति जो प्रतिबद्धता है, वह बहुत प्रेरणादायक है। जाति, धर्म, या राष्ट्रीयता के भेदभाव को छोड़, आइए हम सभी एकजुट होकर प्यार और विश्वास के पुल बनाएं और बाधाओं को तोड़ें।

आज की दुनिया में संघर्ष कभी-कभी बहुत आसानी से पैदा हो जाते हैं, लेकिन हमें यह याद रखना है कि एक उज्ज्वल भविष्य के लिए कठुणा और परस्पर सम्मान का रास्ता ही सही दिशा दिखाता है। आप, पीस क्लब के सदस्य, सकारात्मक बदलाव के सच्चे दूत हैं। हमारा सपना है कि हम आपके लिए ऐसा माहौल बनाएं जहाँ आप शांति के वास्तविक पैरोकार बन सकें। आपके प्रयास, संवाद और कार्यशालाओं ने आपके समुदायों में सहिष्णुता और समर्पण को बढ़ावा दिया है। आपने जो प्रयास किए हैं, वे हमारी उम्मीदों से कहीं आगे हैं।

सच्ची शांति केवल संघर्ष से मुक्ति नहीं है; यह समावेशिता, दया और विविधता का उत्सव है। आपने इस दिशा में पहला कदम रखा है, और हम आपसे चाहते हैं कि इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहें। खुले दिल और दिमाग से चुनौतियों को अपनाएं, और उन्हें सीखने और बढ़ने का अवसर समझें। अपने साथी पीस क्लब सदस्यों और अपने समुदाय के साथ मिलकर काम करें। आपके प्रयासों को माता-पिता, शिक्षक, और हम सबने देखा और सराहा है। आइए हम सब मिलकर एक उज्ज्वल भविष्य के लिए शांति का बीज बोएं। आप में से हर एक के पास परिवर्तन लाने की और दुनिया में समझ का दीप जलाने की शक्ति है। आइए हम सभी एक साथ एक अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

सप्रेम और शुभकामनाओं के साथ,

रेव. फादर एंटोनी फर्नेंडेज़
कार्यकारी निदेशक
कारितास इंडिया





संदेश सह कार्यकारी निदेशक

प्रिय पीस क्लब के बच्चो,

आपके द्वारा शांति और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। संवाद पीस बिल्डिंग और रिकन्सिलिएशन प्रोग्राम के तहत आपने जो कदम उठाए हैं, वे आपके समुदाय में प्रेम, सहिष्णुता और एकता के बीज बोने का कार्य कर रहे हैं। आपके द्वारा किए गए प्रयास, चाहे वे आपसी समझ बढ़ाने के लिए संवाद हो, कार्यशालाएँ हों, या अन्य रचनात्मक पहल—हर एक पहल समाज में सच्ची शांति का संदेश फैलाने में योगदान कर रही है।

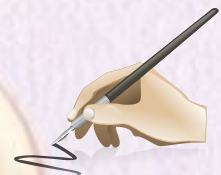
आपके सामूहिक प्रयासों और सकारात्मक ऊर्जा ने यह दिखा दिया है कि छोटी उम्र में भी बड़ी सोच और दिल से हम कितना बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शांति की राह में चुनौतियाँ तो आएंगी, पर आपकी दृढ़ता और साहस से हम हर चुनौती को अवसर में बदल सकते हैं। आपसे मेरी यह आशा और आग्रह है कि आप इसी भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाए रखें।

लंबे समय तक शांति का संदेश फैलाते रहें, चाहे आप जहाँ भी रहें। आपके प्रयास आपके जीवन और आपके आस-पास के लोगों के लिए स्थायी शांति और सौहार्द की नींव रखेंगे। इस यात्रा में हम सभी आपके साथ हैं, और आपको हर कदम पर समर्थन देंगे।

आप सभी में वह शक्ति है जो समाज में एक स्थायी बदलाव ला सकती है। इसी तरह से सकारात्मकता और एकता का संदेश फैलाते रहें और एक सशक्त, सौहार्दपूर्ण भविष्य का निर्माण करें।

शुभकामनाओं और आशीर्वाद के साथ,

रेव. फादर अनिल कास्ट्रा
सह कार्यकारी निदेशक
कारितास इंडिया नई दिल्ली



तालिका

1.संवाद के बारे में	1-3
2.शांति और संघर्ष	4-7
3.शांति क्लब सदस्य की भूमिका	8-11
4.साम्प्रदायिक हिंसा	12-14
5.संघर्ष	15-21
6.फर्जी खबरें	22-23
7.शिक्षा और शांति	24-27
8.शांति और बच्चे	28-32
9.हिंसा और संघर्ष समाधान	33-39
10.सतत विकास और शांति	40-44
11.बाल अधिकार	45-51
12.वाँश	52-56



अध्याय 1

संवाद के बारे में

उद्देश्य: सुविधा प्रदाता संवाद शांति निर्माण और सुलह कार्यक्रम, कारितास इंडिया और भागीदारों के बारे में प्रतिभागियों को बताएगा और शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए पीस क्लब की विशेषताओं पर प्रकाश डालेगा।

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



संवाद कार्यक्रम और उसके भागीदारों और कारितास इंडिया के बारे में: संवाद शांति निर्माण कार्यक्रम कारितास का एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य समुदायों में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम समुदाय के सदस्यों, धार्मिक नेताओं, सरकारी अधिकारियों और समाज में प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ बहु-हितधारकों के साथ काम करता है। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश में छह डायोसिस भागीदारों द्वारा लागू किया जा रहा है।

सत्र 1

प्रतिभागियों का परिचय

सुविधा प्रदाता सभी प्रतिभागियों को एक-दूसरे से परिचय कराने के लिए एक संवादात्मक खेल का आयोजन करेगा, जिससे समूह के बीच परिचित होने और जुड़ाव की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

चित्रण-यदि 40 प्रतिभागी हैं तो आयोजक उन्हें एक घेरे में रख सकते हैं और कतार में पहले व्यक्ति का नाम दूसरे व्यक्ति द्वारा और उसकी रुचि के बारे में बताया जाएगा, इसी तरह दूसरे व्यक्ति का नाम तीसरे व्यक्ति द्वारा साझा किया जाएगा, और इसी तरह पहले प्रतिभागी को दूसरे से परिचित कराने से पहले एक-दूसरे को जानने के लिए पांच मिनट का समय दिया जाएगा। परिचय के बाद, सभी वयवस्थित हो जाएंगे और सत्र के लिए आगे बढ़ेंगे। आयोजक प्रतिभागियों में से 2 कप्तानों का चयन करेगा जो दिन की गतिविधि का दस्तावेजीकरण करेंगे और अच्छी तस्वीरों के साथ कार्यक्रम के समाचार पत्र को साझा करेंगे। शांति समूह पत्रिका-मासिक (यह पत्रिका की तरह या टैब्लॉड समाचार पत्र प्रकार की तरह हो सकता है।)

सत्र 2

शांति क्लब और बच्चे

सुविधा प्रदाताओं को बच्चों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता है कि इन बच्चों के माध्यम से पीस क्लब को कैसे सफल बनाया जा सकता है जो इसमें शांति निर्माता या शांति राजदूत के रूप में हैं।

सुविधा प्रदाताओं को शांति क्लब के सदस्यों को शांति क्लब के सदस्यों के रूप में शांति संवर्धन की योजना तैयार करने के लिए पूरी बातचीत में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

ग्रुप रोल प्ले (स्किट) के माध्यम से बच्चों से पूछे जाने वाले कुछ प्रश्न।

- तुम यहाँ क्यों हो?
- आप पीस क्लब का हिस्सा क्यों बनना चाहते हैं?
- आपके लिए शांति का क्या अर्थ है?
- यह क्यों मायने रखता है कि युवा लोग शांति के लिए काम करते हैं?
- पीस क्लब के रूप में आप क्या सीखने और करने की उम्मीद करते हैं?
- आप कैसे काम करना चाहते हैं?
- आप कितनी बार और कहाँ मिलेंगे?
- क्या आपको अपने काम का मार्गदर्शन करने के लिए एक सहायक की आवश्यकता है?
- इस बारे में बात करें कि क्यों, कैसे और क्या ?
- आपके समूह के लिए शांति क्यों मायने रखती है?
- आप शांति का पीछा कैसे करेंगे?
- शांति के निर्माण के लिए आप अपने काम में किन कार्यों और दृष्टिकोण को बनाए रखेंगे?
- आप क्या हासिल करने की उम्मीद करते हैं?

सत्र 3

अपनी योजना की घोषणा करें

समूह अभ्यास

अपने पीस क्लब के लिए एक चार्टर, प्रतिज्ञा या उद्देश्य का विवरण लिखें। यह आपकी प्रतिबद्धता और दृष्टि को समझाने का एक अवसर है, और इसे उन लोगों के साथ भी साझा किया जा सकता है जो आपके काम के बारे में अधिक जानना चाहते हैं।

समूह के सभी नेताओं/प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिक्रिया और धन्यवाद के साथ समापन दिप्पणी और अगली कक्षा की तारीख को अंतिम रूप देना।

शपथ लें।

मैं अपने व्यवहार, बात करने और सोचने के तरीके के साथ एक शांति
निर्माता हूँ।

मैं हर दिन दयालु, समझदार और शांतिपूर्ण होने में विश्वास करती/करता
हूँ।

मैं हिंसा को ना कहता हूँ और घर, स्कूल और अपने दोस्तों के साथ
समस्याओं को हल करने के शांतिपूर्ण तरीके खोजने की कोशिश करती/
करता हूँ।

मैं अन्याय के खिलाफ खड़ी होती हूँ और हर किसी के साथ अपने भाइयों
और बहनों की तरह व्यवहार करती/ करता हूँ, भले ही हम अलग हों।
मैं दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करती/ करता हूँ जैसा मैं चाहती/चाहता
हूँ कि मेरे साथ किया जाए।

हर दिन, मैं अपने स्कूल, समुदाय और अपने भारत को अधिक शांतिपूर्ण
और खुशहाल जगह बनाने की कोशिश करता /करतीहूँ।

अध्याय 2 शांति और संघर्ष

सत्र का उद्देश्य- शांति और संघर्ष का परिचय?

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1: आयोजक दो प्रतिभागियों को कप्तान के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करेगा जो दिन की गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करेंगे और तस्वीरों के साथ कार्यक्रम का एक समाचार पत्र साझा करेंगे।

शांति समूह पत्रिका-(मासिक) यह पत्रिका के रूप में या टैब्लॉइड समाचार पत्र के रूप में हो सकता है।



सत्र 2: खेल: गुब्बारा खेल

प्रत्येक प्रतिभागी को गुब्बारे वितरित करें और उन्हें फूलने का निर्देश दें।

II. घोषणा करें कि अंतिम शेष गुब्बारे वाले प्रतिभागी को विजेता घोषित किया जाएगा।

III. यदि आवश्यक हो तो बच्चों को एक-दूसरे के गुब्बारे फोड़ने के लिए कहें।

IV. बच्चों को एक-दूसरे के गुब्बारे फोड़ने दें।

सुविधा प्रदाताओं का नोट: खेल के दौरान बच्चों की सुरक्षा और कल्याण अत्यंत महत्वपूर्ण है। आइए नुकसान या चोट के किसी भी जोखिम को रोकते हुए एक मजेदार और सुखद अनुभव सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतें।

चर्चा को सुगम बनाएँ

- अगर हम गुब्बारे को किसी व्यक्ति की शांति का रूपक मानते हैं। हम इसे अपने जीवन और दुनिया में शांति के विचार से कैसे जोड़ सकते हैं?
- गुब्बारे को फुलाने का कार्य हमारे समुदायों में शांति के निर्माण और पोषण के महत्व का प्रतीक कैसे है?
- किस बात ने बच्चों को एक-दूसरे के गुब्बारे फोड़ने के लिए प्रेरित किया?
- क्या होता है जब बच्चे एक-दूसरे के गुब्बारे फेंकने लगते हैं? यह वास्तविक जीवन की स्थितियों से कैसे संबंधित हो सकता है जहाँ संघर्ष उत्पन्न होते हैं?
- क्या ऐसा परिदृश्य हो सकता था जिसमें सभी प्रतिभागी केवल एक विजेता होने के बजाय विजयी हो सकते थे?
- समय, संसाधनों और भावनाओं के संदर्भ में खेल की लागत और लाभ क्या थे, और प्रतिभागियों को क्या लाभ और हानि हुई?
- हम इस खेल से दूसरों पर अपने कार्यों के प्रभाव और बिना नुकसान पहुँचाए उद्देश्यों का पीछा करने के महत्व के बारे में क्या सबक सीख सकते हैं?
- हम संघर्ष के बजाय सहयोग और समझ को बढ़ावा देने के लिए वैकल्पिक दृष्टिकोण कैसे तलाश सकते हैं?

सत्र 3: शांति और संघर्ष को परिभाषित करना

शांति तब होती है जब कोई लड़ाई या अशांति न हो, और लोग सद्भाव में रह रहे हों। संघर्ष दो या दो से अधिक पक्षों के बीच हितों, विचारों या मूल्यों के विरोध के कारण असहमति या संघर्ष है।

सत्र 4

कहानी का समय

एक समय की बात है, एक गाँव था जो कई वर्षों तक शांति और सद्भाव से रहता था। ग्रामीण किसान थे जो अपनी भूमि पर खेती करने के लिए एक साथ काम करते थे, और उनमें समुदाय की मजबूत भावना थी। एक साल, गाँव में सूखा पड़ा और फसलें खराब होने लगीं। किसान चिंतित हो गए और उनके बीच संघर्ष शुरू हो गया क्योंकि वे इस बात पर बहस कर रहे थे कि स्थिति से कैसे निपटा जाए। कुछ किसानों ने एक कुआँ खोदने का सुझाव दिया, जबकि अन्य का मानना था कि सिंचाई ही समाधान है। जैसे-जैसे तनाव बढ़ा, गाँव दो गुटों में विभाजित होने लगा, और लोगों ने पक्ष चुनना शुरू कर दिया। जल्द ही, विवाद शारीरिक विवाद में बदल गया और कुछ ग्रामीण घायल हो गए। यह महसूस करते हुए कि वे उस शांति को खो रहे हैं जिसका वे इतने लंबे समय से आनंद ले रहे थे, बुद्धिमान बड़ों के एक समूह ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपने मतभेदों को दरकिनारा करने और समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

बहुत चर्चा और समझौते के बाद, उन्होंने एक कुआँ खोदने और अपनी फसलों की सिंचाई के लिए पानी का उपयोग करने का फैसला किया। संघर्ष के हल होने के साथ, ग्रामीण अपने शांतिपूर्ण जीवन शैली में लौट आए, और समुदाय एक बार फिर से पनपा। उस दिन से, ग्रामीणों ने संघर्ष का सामना करने में सहयोग और समझौते के महत्व को सीखा, और उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से प्राप्त शांति को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।



चिंतन के लिए प्रश्न

कहानी की नैतिकता क्या है?

महायक टिप्पणी: कहानी की नैतिकता यह है कि एक समुदाय में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए एकता, सहयोग और समझौता आवश्यक है।

जब चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तो मतभेदों को अलग रखना और एक सामान्य लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। संघर्ष के बजाय सहयोग के माध्यम से समाधान ढूंढकर, एक समुदाय बाधाओं को दूर कर सकता है और उस शांति को संरक्षित कर सकता है जिसे वे संजोते हैं।

अगले सत्र के आधार पर प्रतिभागियों के साथ आगे का रास्ता साझा किया गया।

फीडबैक

प्रतिभागियों में दो पुरुष और दो महिलाएं दस्तावेज प्रिंट, फोटो और वीडियो के साथ हैं। बैठक की अगले महीने की तारीख पर चर्चा की जाएगी और उसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

समापन टिप्पणी और धन्यवाद वक्ताओं और प्रतिभागियों का मतदान

शांति पर उद्धरण

"शांति के बिना, अन्य सभी सपने गायब हो जाते हैं और राख हो जाते हैं।"

जवाहरलाल नेहरू

"शांति बल द्वारा नहीं रखी जा सकती; यह केवल समझ से प्राप्त की जा सकती है।"

अल्बर्ट आइंस्टीन

"संघर्ष आपकी भागीदारी के बिना जीवित नहीं रह सकता।"

वेन डायर

शांति के बिना कोई विकास नहीं हो सकता और विकास के बिना कोई शांति नहीं हो सकती।

कोफी अन्नान

अध्याय 3- शांति क्लब सदस्य की भूमिका

उद्देश्य: सुविधा प्रदाता पीस क्लब के सदस्य कर्तव्यों और जिम्मेदारियों पर एक सत्र का नेतृत्व करेगा, और दैनिक प्रलेखन के लिए एक नया कप्तान नियुक्त करेगा।

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1

फैसिलिटेटर-सभी प्रतिभागियों का पिछली कक्षा के कप्तान द्वारा "शांति समूह पत्रिका" के माध्यम से अंतिम कक्षा के पुनर्कथन के साथ स्वागत है

पीस क्लबों के लिए कर्तव्य और जिम्मेदारियाँ

पीस क्लबों का उद्देश्य शांति को बढ़ावा देना और अपने स्थानीय समुदायों के भीतर शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों में शामिल होना है।

i) समुदायों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण संघर्ष के मुद्दों की पहचान करना, संगठित करना और चर्चा करना और जहां संभव हो वहां संभावित समाधान विकसित करना।

ii) हितधारक विश्लेषण अभ्यास करना और समुदाय में प्राप्त संघर्ष के मुद्दों का दस्तावेजीकरण करना।

iii) सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए निवासियों को प्रेरित करना।

iv) शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने वाली लागत-मुक्त गतिविधियों का आयोजन करना।

सत्र 2

कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आधार पर सहायक को समूह अभ्यास का संचालन करने की आवश्यकता होती है। **(5-10MIN)**

- प्रतिभागियों की उपस्थिति के अनुसार समूह बनाएँ।
- समूह को चार्ट पेपर और बोल्ड मार्कर दें।
- उन्हें चार्ट पेपर में पहला कर्तव्य लिखने और समूह में चर्चा किए गए अपने विचार लिखने के लिए कहें।
- अब उन्हें चार्ट पेपर में दूसरा कर्तव्य और जिम्मेदारियों को लिखने और समूह में चर्चा के बाद इसका जवाब देने की आवश्यकता है।
- सामुदायिक गतिविधियों की पहचान करें और चार्ट पेपर पर लिखें जिसमें निवासी भाग ले सकते हैं।
- शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को इंगित करें और इसमें समुदाय को शामिल करने का प्रयास करें।

सत्र 3

- समूह गतिविधियों के परिणाम पर प्रस्तुति।
- सुविधा प्रदाता शीर्ष 2 समूह अभ्यास परिणामों की पहचान करेगा।
- इन समूह के सदस्यों को अगली कक्षा में स्वीकार किया जाएगा और पुरस्कृत किया जाएगा।

सत्र 4-कहानी सुनाना

एक समय की बात है, एक छोटे से गाँव में जानवरों का एक समूह था जो शांति और सद्भाव से एक साथ रहते थे। एक दिन, एक अफवाह फैलने लगी कि गाँव में एक खतरनाक शिकारी छिपा हुआ है। अफवाह जंगल की आग की तरह फैल गई, और जल्द ही, सभी जानवर डर गए और अपने घरों में छिपने लगे।



यह अफवाह इतनी विश्वसनीय थी कि किसी ने भी इसकी प्रामाणिकता पर सवाल नहीं उठाया।

हालाँकि, जैसे-जैसे समय बीतता गया, किसी ने भी शिकारी के अस्तित्व का कोई सबूत नहीं देखा। कुछ जानवर इस अफवाह की वैधता पर भी संदेह करने लगे, लेकिन वे बोलने से डरते थे।

एक दिन, एक बुद्धिमान बूढ़ा उल्लू गाँव आया और जानवरों के डर को सुना। वह जानता था कि कुछ गलत है और उसने जाँच करने का फैसला किया। उन्हें जल्द ही पता चला कि यह अफवाह नकली थी, जिसे एक शरारती बंदर ने शुरू किया था जो अराजकता और भ्रम पैदा करना चाहता था। उल्लू ने गाँव के सभी जानवरों की एक बैठक बुलाई और स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने सभी को याद दिलाया कि फर्जी खबरें फैलाने से नुकसान हो सकता है और इस पर विश्वास करने और साझा करने से पहले जानकारी को सत्यापित करना आवश्यक है।

अफवाह शुरू करने वाले बंदर को अपने कार्यों पर शर्म आई और उसने अन्य जानवरों से माफी मांगी। जानवरों ने उसे माफ कर दिया, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि झूठी खबरें फैलाना स्वीकार्य नहीं है। उस दिन से, गाँव के जानवर उन खबरों के बारे में अधिक सतर्क हो गए जो उन्होंने सुनी और साझा की। उन्होंने सीखा कि वे जो कुछ भी कहते हैं और करते हैं, उसमें सच्चा और जिम्मेदार होना महत्वपूर्ण है। गाँव रहने के लिए एक खुशहाल और अधिक शांतिपूर्ण जगह बन गया, और जानवर हमेशा खुशी से रहते थे। कहानी बच्चों को उन समाचारों के प्रति सावधान रहने का महत्व सिखाती है जो वे सुनते हैं और साझा करते हैं। यह उन्हें दिखाता है कि नकली समाचार भय और भ्रम पैदा कर सकते हैं, और इस पर विश्वास करने और साझा करने से पहले जानकारी को सत्यापित करना आवश्यक है।

सत्र 5: दिन की गतिविधि-लर्निंग और टेकअवे पर प्रतिक्रिया।

सभी प्रतिभागियों और सहायक को धन्यवाद के वोट के साथ समापन टिप्पणी। कैप्टन को सार्वजनिक रूप से शांति समूह पत्रिका के प्रसार का कर्तव्य सौंपा गया।

हितधारकों का विश्लेषण

उन हितधारकों की पहचान करना जो शांति को बढ़ावा देने और एक साथ जुड़ने की योजना तैयार करने में हितधारक हैं

चित्रण

नमूना हितधारक विश्लेषण

मूल्यांकन
पैमाना



हितधारक	पहुंच	प्रभाव	ताकत	रुचि
शिक्षक				
नेता				

अध्याय 4- सांप्रदायिक हिंसा

उद्देश्य-सूत्रधार शांति और सांप्रदायिक संघर्ष के विषयों के इर्द-गिर्द केंद्रित एक फिल्म प्रस्तुत करेगा, जिसके बाद प्रतिक्रिया और अंतर्दृष्टि एकत्र करने के लिए एक समूह चर्चा होगी। एक अन्य सत्र भारत में सांप्रदायिक दंगों का अवलोकन प्रदान करने पर केंद्रित होगा। इस सत्र के दौरान, दिन के लिए प्रलेखन प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए एक नए कप्तान का चयन किया जाएगा।

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



<https://youtu.be/tXkWRYklwKw>

सत्र 1

मुजफ्फरनगर, यूपी के सांप्रदायिक संघर्ष पर फिल्म।

मोबाइल से स्कैन करें और सांप्रदायिक हिंसा पर वीडियो देखें

सत्र 2

समूह अभ्यास के माध्यम से फिल्म से मिली सीख पर प्रतिक्रिया ली जाएगी। समूह अभ्यास के लिए चार पेपर और मार्कर का उपयोग किया जाएगा।

फिल्म के माध्यम से कौन सा संदेश दिया गया है?

फिल्म के किस दृश्य ने आपको सबसे ज्यादा छुआ या आपके अंदर मजबूत भावनाओं को जगाया?

फिल्म पर प्रतिभागियों की राय।

प्रतिभागी सभी के लिए सीख रहे हैं और संदेश दे रहे हैं।

समूह अभ्यास की प्रस्तुति

सत्र 3

सभी प्रतिभागियों और सुविधा प्रदाताओं को धन्यवाद के साथ समापन टिप्पणी और अगली कक्षा के लिए आगे का रास्ता।

कप्तान को सार्वजनिक रूप से शांति समूह पत्रिका के प्रसार का कर्तव्य सौंपा गया।

सत्र 4



सांप्रदायिक दंगे

साम्प्रदायिक दंगे तब होते हैं जब किसी समुदाय में विभिन्न धार्मिक, जातीय या सामाजिक समूहों के लोग आपस में लड़ते हैं और भिड़ते हैं। ये संघर्ष लंबे समय से चले आ रहे तनाव, पिछली समस्याओं या उनके जीने के तरीके में अंतर के कारण होते हैं। "सांप्रदायिक" शब्द का उपयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि इसमें धार्मिक समूहों जैसे विशिष्ट पहचान वाले समूह शामिल होते हैं। इन दंगों में हिंसा हो सकती है, तोड़-फोड़ हो सकती है और लोगों को चोट लग सकती है या उससे भी बदतर स्थिति हो सकती है। यह बहुत दुखद है और इसमें शामिल समुदायों को बहुत पीड़ा देता है।

कुछ उल्लेखनीय घटनाएँ:

विभाजन दंगे (1947) भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण के कारण हिंदुओं, मुसलमानों और सिखों के बीच व्यापक हिंसा और सांप्रदायिक दंगे हुए। सीमा के दोनों ओर सामूहिक हत्याएँ, जबरन धर्मांतरण और बड़े पैमाने पर पलायन हुए।

सिख विरोधी दंगे (1984) प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या के बाद, दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे। हिंसा में हजारों सिख मारे गए और कई सिख संपत्तियों को नष्ट कर दिया गया।

बाबरी मस्जिद विध्वंस (1992) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 16वीं शताब्दी की मस्जिद बाबरी मस्जिद के विध्वंस ने देश भर में व्यापक सांप्रदायिक हिंसा को जन्म दिया। इस घटना के कारण हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झड़पें हुईं, जिसके परिणामस्वरूप कई मौतें हुईं और संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ।

मुंबई दंगे (1992-1993) बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद, मुंबई (पूर्व में बॉम्बे) सांप्रदायिक दंगों का गवाह बना। हिंसा कई महीनों तक चली, जिसमें 1,000 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग विस्थापित हुए।

गुजरात दंगे (2002) गोधरा ट्रेन जलाने की घटना, जिसमें हिंदू तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन में आग लगा दी गई थी, के कारण गुजरात में सांप्रदायिक दंगे हुए। हिंसा ने मुख्य रूप से मुसलमानों को लक्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1,000 लोगों की मौत हुई, व्यापक विनाश और विस्थापन हुआ।

मणिपुर 2023

मणिपुर दंगे जातीय धार्मिक संघर्षों की एक श्रृंखला थी जो भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में इम्फाल घाटी में रहने वाले मेईतेई लोगों और आसपास की पहाड़ियों के कुकी आदिवासी समुदाय के बीच हुई थी। दंगे 3 मई 2023 को शुरू हुए और कई हफ्तों तक जारी रहे, जिसमें छिटपुट हिंसा 23 जुलाई तक जारी रही। सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मेईतेई समुदाय को आरक्षण देने के प्रस्ताव के कारण हिंसा भड़क उठी थी। कुकी समुदाय ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए तर्क दिया कि इससे उन्हें अनुचित रूप से नुकसान होगा। इन दोनों समुदायों के बीच संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक काल से जुड़ा हुआ है।

दंगों के परिणामस्वरूप महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 181 लोगों की मौत हो गई और 54,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। हिंसा ने घरों, व्यवसायों और धार्मिक स्थलों सहित संपत्ति को भी व्यापक नुकसान पहुंचाया।

अध्याय 5

संघर्ष

उद्देश्य-आज के सत्र में, हम संघर्ष पर चर्चा करेंगे, और समुदायों में संघर्षों को कैसे हल किया जाए।

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1: संघर्षों को समझना

एक संघर्ष एक संघर्ष और हितों, विचारों या यहां तक कि सिद्धांतों का टकराव है।

समाज में संघर्ष हमेशा पाया जाएगा; क्योंकि संघर्ष का आधार व्यक्तिगत, नस्लीय, वर्ग, जाति, राजनीतिक और अंतर्राष्ट्रीय हो सकता है।

संघर्ष असहमति या मुद्दों को समझने में मतभेदों का परिणाम है। इसके अलावा, संघर्ष सकारात्मक या नकारात्मक भी हो सकता है। यह सकारात्मक हो सकता है यदि लोगों को उनकी समस्याओं से निपटने में मदद मिले। हालाँकि, संघर्ष को नकारात्मक के रूप में देखा जा सकता है यदि यह घृणा, हिंसा और मृत्यु की ओर ले जाता है। दूसरी ओर हिंसा अपने या किसी अन्य व्यक्ति के खिलाफ नुकसान पहुंचाने, पीड़ा देने या अपने अधिकारों का उल्लंघन करने के लिए शारीरिक बल या शक्ति का उपयोग है।



समुदायों के भीतर संघर्षों को हल करना

व्यक्तिगत रूप से या समुदायों के रूप में संघर्षों को हल करने या रोकने के कई तरीके हैं। मौजूदा स्थितियों के आधार पर निम्नलिखित तरीकों का उपयोग करके संघर्षों को हल किया जा सकता है।

- संचार और संवाद: संघर्ष में शामिल पक्षों के बीच खुले और ईमानदार संचार को प्रोत्साहित करने से बेहतर समझ और सहानुभूति हो सकती है, जिससे अक्सर समाधान का मार्ग प्रशस्त होता है।
- वातलाप: इसमें पक्ष अपने हितों और चिंताओं पर चर्चा करते हैं ताकि पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समझौते पर पहुंचा जा सके। इसके लिए दोनों पक्षों से लचीलेपन और समझौते की आवश्यकता होती है।
- मध्यस्थता: एक तटस्थ तीसरा पक्ष (मध्यस्थ) परस्पर विरोधी पक्षों के बीच चर्चा की सुविधा प्रदान करता है ताकि उन्हें सामान्य आधार खोजने और समाधान तक पहुंचने में मदद मिल सके।
- विवाचन: इस प्रक्रिया में, एक तटस्थ मध्यस्थ दोनों पक्षों को सुनता है और एक निर्णय लेता है जिसे पक्ष स्वीकार करने के लिए सहमत होते हैं, जो अक्सर बाध्यकारी होता है।
- सहयोग: पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान की दिशा में मिलकर काम करना, सहयोग और सामूहिक समस्या-समाधान पर जोर देना।
- समझौता: एक बीच का आधार ढूँढना जहाँ प्रत्येक पक्ष एक समझौते पर पहुँचने के लिए कुछ न कुछ छोड़ दे।
- समायोजन: एक पक्ष दूसरे की इच्छाओं या मांगों से सहमत होता है, जिसका उपयोग अक्सर तब किया जाता है जब मुद्दा एक पक्ष के लिए कम महत्वपूर्ण होता है।
- परिहार: जानबूझकर संघर्ष को दरकिनार करना या स्थगित करना, जो उन स्थितियों में उपयोगी हो सकता है जहाँ भावनाएं ऊंची चल रही हैं और ठंडे सिर की आवश्यकता है।
- समस्या-समाधान: संघर्ष के मूल कारणों की पहचान करना और उन अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करने वाले संयुक्त रूप से समाधान विकसित करना।
- क्षमा और सुलह-ऐसे मामलों में जहाँ संघर्ष पिछली शिकायतों में गहराई से निहित है, क्षमा और सुलह उपचार और आगे बढ़ने का कारण बन सकता है।

सत्र 2-कहानी सुनाना

सद्भाव की एक किरण



एक समय की बात है कि भारत नामक एक विविध भूमि में, सर्वोदय नाम का एक छोटा सा गाँव था, जिसका अर्थ है "सार्वभौमिक उत्थान"। सर्वोदय अपने सुंदर परिदृश्यों, हरे-भरे खेतों और जीवंत समुदाय के लिए जाना जाता था जो विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं का जश्न मनाते थे। इस गाँव में एक शांति समूह था जहाँ बच्चे शांति, सहानुभूति और समझ के बारे में जानने के लिए इकट्ठा होते थे।

सर्वोदय शांति समूह के बच्चे अलग-अलग पृष्ठभूमि से थे-हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य। वे एक साथ खेलते थे, कहानियाँ साझा करते थे और एक-दूसरे के त्योहारों को खुशी और सम्मान के साथ मनाते थे। हालाँकि, सर्वोदय के शांतिपूर्ण कोकून के बाहर, देश विभिन्न समुदायों के बीच गलतफहमी और पूर्वाग्रहों के कारण कुछ संघर्षों का सामना कर रहा था।

एक दिन, जब बच्चे प्राचीन बरगद के पेड़ के नीचे बैठे थे जो उनके शांति समूह का दिल था, एक गरमागरम चर्चा शुरू हुई। राहुल, एक होनहार युवा लड़का, और आयशा, एक दयालु लड़की, ने अपने शहर में हाल ही में हुई एक घटना के बारे में खुद को असहमत पाया। इसमें एक हिंदू और एक मुस्लिम परिवार के बीच गलतफहमी शामिल थी, जिससे अनावश्यक तनाव और भय पैदा हो गया।

राहुल का मानना था कि विभिन्न धर्मों के लोग अपने मतभेदों के कारण कभी भी शांति से एक साथ नहीं रह सकते। उन्होंने कहा, "हमारी मान्यताएँ और रीति-रिवाज बहुत अलग हैं; हम एक-दूसरे को समझ नहीं सकते।"

दूसरी ओर, आयशा अपने समुदायों के बीच की खाई को पाटने का एक तरीका खोजने के लिए दृढ़ थी। उन्होंने दयालु स्वर में जवाब दिया, "लेकिन राहुल, हमारे बीच भी बहुत कुछ समान है। हम सभी अपने परिवार से प्यार करते हैं, खुश रहना चाहते हैं और शांतिपूर्ण जीवन की कामना करते हैं। आइए हम इस बात पर ध्यान न दें कि हमें क्या विभाजित करता है, बल्कि इस बात पर ध्यान दें कि हमें क्या एक साथ लाता है।"

कहानी सुनाना जारी

उनकी चर्चा ने उनके साथी क्लब सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया। जैसे-जैसे प्रत्येक बच्चे ने अपना दृष्टिकोण साझा किया, उन्हें एहसास होने लगा कि भारत में संघर्ष उनके अंतर्निहित मतभेदों से नहीं, बल्कि गलतफहमी और पूर्वकल्पित धारणाओं से प्रेरित थे। वे जानते थे कि उन्हें अपने समुदाय में बदलाव लाने के लिए कुछ करना होगा।

बच्चों ने विविधता के बीच एकता का जश्न मनाने के लिए अपने गाँव में "सद्भाव दिवस" का आयोजन करने का फैसला किया। उन्होंने सभी समुदायों के धार्मिक नेताओं, बुजुर्गों और प्रभावशाली हस्तियों से संपर्क किया और उन्हें इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। आश्चर्य की बात है कि उनमें से कई सहमत हो गए, शांति को बढ़ावा देने के लिए युवाओं के दृढ़ संकल्प से चिंतित थे।

कार्यक्रम के दिन, गाँव को विभिन्न धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले रंगीन बैनरों और सजावटों से सजाया गया था। गाँव के चौक पर जब लोग जमा हुए तो हवा उत्साह और जिज्ञासा से झूम उठी। प्रत्येक बच्चे ने मंच संभाला और प्रेम, करुणा और सम्मान के साझा मूल्यों पर जोर देते हुए अपने धर्म के बारे में बात की।

राहुल ने एक नई समझ के साथ हिंदू धर्म की शिक्षाओं के बारे में बात की जो सभी जीवित प्राणियों के साथ एकता को बढ़ावा देती हैं। आयशा ने कुरान की उन आयतों का खूबसूरती से पाठ किया जो इस्लाम में शांति और सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डालती हैं। अन्य बच्चों ने गर्व और सम्मान के साथ अपने-अपने धर्मों का प्रतिनिधित्व करते हुए उनका अनुसरण किया।



सत्र 3-कहानी सुनाना

एक हमिंगबर्ड की कहानी: [HTTPS://YOUTU.BE/A42CP_RUJDQ](https://youtu.be/A42CP_RUJDQ)

प्रतिभागियों को एक सीट या अन्य आरामदायक स्थिति लेने के लिए कहें। केन्या की नोबेल पुरस्कार विजेता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पर्यावरण नीति और महिला अधिकार कार्यकर्ता वांगरी मथाई की परी कथा "स्टोरी ऑफ ए हमिंगबर्ड" के साथ उन्हें प्रेरित और सशक्त बनाएं।

हमिंगबर्ड की कहानी इस विशाल जंगल के बारे में है जो आग से भस्म हो रहा है। जंगल के सभी जानवर बाहर आते हैं और वे जंगल को जलते हुए देखते हैं और वे इस छोटे से हमिंगबर्ड को छोड़कर बहुत अभिभूत, बहुत शक्तिहीन महसूस करते हैं।

यह कहता है, 'मैं आग के बारे में कुछ करने जा रहा हूँ!' तो, यह निकटतम धारा में उड़ता है और पानी की एक बूंद लेता है। यह इसे आग पर लगाता है, और जितनी जल्दी हो सके ऊपर और नीचे, ऊपर और नीचे, ऊपर और नीचे जाता है। इस बीच, अन्य सभी जानवर, बहुत बड़े जानवर जैसे हाथी एक बड़े तने के साथ जो बहुत अधिक पानी ला सकता है, वे वहाँ असहाय खड़े हैं और वे हमिंगबर्ड से कह रहे हैं, 'आपको क्या लगता है कि आप क्या कर सकते हैं? तुम बहुत छोटे हो। यह आग बहुत बड़ी है। आपके पंख बहुत छोटे हैं, और आपकी चोंच इतनी छोटी है कि आप एक बार में पानी की एक छोटी बूंद ही ला सकते हैं। लेकिन जैसे-जैसे वे इसे हतोत्साहित करना जारी रखते हैं, यह बिना कोई समय बर्बाद किए उनकी ओर मुड़ता है और यह उन्हें बताता है, 'मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहा हूँ।' और हम सभी को ऐसा ही करना चाहिए। हमें हमेशा एक हमिंगबर्ड की तरह महसूस करना चाहिए। मैं महत्वहीन महसूस कर सकता हूँ, लेकिन मैं निश्चित रूप से उन जानवरों की तरह नहीं बनना चाहता जो ग्रह को नाले से नीचे जाते हुए देख रहे हैं। मैं एक हमिंगबर्ड बनूंगा; मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।



मोबाइल से स्कैन करें कहानी का वीडियो देखें

जैसे-जैसे दिन बीतता गया, गांव का माहौल बदलता गया। लोग अपने पूर्वग्रहों से परे देखने लगे और विविधता की सुंदरता को पहचानने लगे। उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने जो संघर्षों का अनुभव किया था, वे स्वयं धर्म के कारण नहीं थे, बल्कि समझ और सहानुभूति की कमी के कारण थे।

सद्भाव दिवस ने सर्वोदय और आसपास के गांवों पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा। शांति और समझ को बढ़ावा देने के बच्चों के प्रयासों ने वयस्कों को अपने मतभेदों को अलग रखने और एक-दूसरे की विशिष्टता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देते हुए नियमित अंतरधार्मिक संवाद शुरू हुए।

समय के साथ, सद्भाव की लहर पूरे देश में फैल गई। सर्वोदय पीस क्लब के बच्चे बड़े होकर शांति के पैरोकार बन गए, जिससे वे अपने राष्ट्र को एक उज्ज्वल और अधिक एकजुट भविष्य की ओर ले गए। उनकी कहानी इस बात का एक चमकदार उदाहरण बन गई कि कैसे सहानुभूति, प्रेम और समझ संघर्षों को दूर कर सकती है और एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकती है जहां हर कोई शांति से एक साथ रह सकता है। और इसलिए, सर्वोदय गांव में प्राचीन बरगद के पेड़ के नीचे शुरू हुई सद्भाव की किरण ने पूरे देश को रोशन किया, दुनिया को सिखाया कि संघर्षों के बावजूद आज के बच्चे शांतिपूर्ण कल का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।



सत्र 3

समूह के साथ कहानी का विवरण दें और चर्चा करें:

दूसरे जानवरों ने कुछ क्यों नहीं किया?

क्या हमिंगबर्ड से कोई फर्क पड़ा?

हमिंगबर्ड अन्य जानवरों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए क्या कर सकता है?

क्या आपको किसी ऐसी समस्या का सामना करना पड़ा है जिसके बारे में आपको लगता है कि आप कुछ नहीं कर सकते?

यह अच्छा क्यों होगा अगर हम सभी हमिंगबर्ड की तरह व्यवहार करें?

यह कहानी शांति निर्माण से कैसे संबंधित है?

अंत में, सुविधा प्रदाता बता सकता है कि इस परी कथा में संघर्ष जंगल की आग की तरह हैं: उन्हें हल करना असंभव लग सकता है और आप उनके सामने अभिभूत और शक्तिहीन महसूस कर सकते हैं। लेकिन हम सभी अपने समुदायों में हमिंगबर्ड हो सकते हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर सकते हैं और दूसरों को प्रेरित कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

नोबेल शांति पुरस्कार डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत द्वारा स्थापित पांच नोबेल पुरस्कारों में से एक है और यह उन व्यक्तियों, संगठनों या आंदोलनों को प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है जिन्होंने शांति को बढ़ावा देने और संघर्षों को हल करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। स्वीडन के स्टॉकहोम में प्रदान किए जाने वाले अन्य नोबेल पुरस्कारों के विपरीत, नोबेल शांति पुरस्कार ओस्लो, नॉर्वे में प्रदान किया जाता है।

1901 में अपनी स्थापना के बाद से, नोबेल शांति पुरस्कार राजनेताओं, कार्यकर्ताओं, राजनयिकों, मानवाधिकार अधिवक्ताओं, संगठनों और यहां तक कि पूरे राष्ट्रों सहित विभिन्न प्रकार के प्राप्तकर्ताओं को प्रदान किया गया है। नोबेल शांति पुरस्कार के कुछ उल्लेखनीय प्राप्तकर्ताओं में मार्टिन लूथर किंग जूनियर, मदर टेरेसा, नेल्सन मंडेला, मलाला यूसुफजई, इंटरनेशनल कैम्पेन टू बैन लैंडमाइन और संयुक्त राष्ट्र शामिल हैं।

अध्याय 6 -फर्जी खबरें

उद्देश्य:-आज के सत्र में, हम फेक न्यूज, इसके कारणों, प्रकारों और प्रभावी संघर्ष समाधान विधियों पर चर्चा करेंगे। इसका उद्देश्य गलत सूचना से संबंधित संघर्षों के बारे में प्रतिभागियों की समझ को बढ़ाना है।

स्वागत और
प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1-फर्जी खबरों के बारे में

प्र0 . क्या है फेक न्यूज?

फेक न्यूज प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित भ्रामक, दुर्भावनापूर्ण रूप से झूठी जानकारी की कोई भी शांति है। यह राज्य की कानून और व्यवस्था के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा को भी प्रभावित करता है।

प्र0 . फेक न्यूज से क्या होता है?

इन झूठी खबरों और अफवाहों के कारण, कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। यह सांप्रदायिक घृणा भी फैला सकता है और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकता है। यह मनगढ़ंत लेखों, ग्राफिक्स, पोस्ट, ऑडियो, वीडियो और चुनाव अभियानों के माध्यम से भी चुनाव को प्रभावित करता है।

झूठी खबरें शांति भंग कर सकती हैं: चर्चा

चर्चा के लिए बिंदु

- गलत सूचना तेजी से फैलती है
- विश्वास का क्षरण
- ध्रुवीकरण और विभाजन
- जनमत का हेरफेर
- संघर्षों का बढ़ना
- अधिकारियों में अविश्वास
- चुनाव और राजनीतिक स्थिरता पर प्रभाव
- आर्थिक परिणाम
- दीर्घकालिक प्रतिष्ठा को नुकसान

पीस क्लब के सदस्य के रूप में हमारी भूमिका देखें

हम जागरूक नागरिक के रूप में सरल उपायों के माध्यम से इस फर्जी खबर से बच सकते हैं, हमें बस विभिन्न सरकारी वेबसाइटों जैसे कुछ प्रामाणिक स्रोतों से जानकारी की फिर से जांच करनी चाहिए।

हमें सभी तस्वीरों, ऑडियो और वीडियो को अग्रेषित करने से पहले सावधानीपूर्वक सत्यापित करना चाहिए क्योंकि वे संपादित या मनगढ़ंत हो सकते हैं। कोई भी संदिग्ध और भ्रामक संदेश मिलने के बाद हमें तुरंत साइबर सेल या स्थानीय पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करनी चाहिए।

हमें अपनी रुचि का कोई भी संदेश प्राप्त करने के बाद पक्षपात किए बिना हमेशा अपनी सामान्य समझ को लागू करना चाहिए। हमारा यह छोटा सा प्रयास कई निर्दोष लोगों की जान बचा सकता है।

<https://www.dw.com/en/india-fake-news-problem-fueled-by-digital-illiteracy/a-56746776>

प्र० . फर्जी खबरों का पता कैसे लगाया जाए?

प्र० . फेक न्यूज और रियल न्यूज में फर्क कैसे करें?

सोशल मीडिया फॉरवर्ड फेक न्यूज का मुख्य स्रोत है यदि यह बिना किसी लिंक के एक साधारण संदेश है। ऐसे संदेशों पर भरोसा न करें ये संदेश विशुद्ध रूप से फर्जी हैं। इस तरह के संदेशों में किसी भी व्यक्ति की उच्च प्रशंसा या किसी के लिए अपमानजनक संदेश होते हैं

<https://youtu.be/Ezcng6hyWp4>

ऑल्ट न्यूज़: तथ्य-जाँच के लिए स्रोतों में से एक

मोबाइल से स्कैन करें और फेक न्यूज के बारें में पढ़ें और वीडियो देखें



अध्याय 7 शिक्षा और शांति

उद्देश्य-सुविधा प्रदाता शिक्षा के महत्व और किसी भी राष्ट्र की विकास प्रक्रिया में इसकी क्या भूमिका है, इस पर प्रकाश डालेंगे। इस सत्र में यह भी बताया जाएगा कि कैसे शिक्षा शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने में योगदान देती है।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1-शिक्षा

शिक्षा नई चीजें सीखने के बारे में है, जैसे तथ्य, क्षमताएँ और क्या सही या गलत है। यह तब शुरू होता है जब हम पैदा होते हैं और जैसे-जैसे हम बड़े होते जाते जाते हैं। शिक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, कौशल हासिल करने और जीवन में अच्छे विकल्प चुनने में मदद करती है।

- दुनिया के बारे में ज्ञान और समझ प्राप्त करना।
- रोजमर्रा की जिंदगी के लिए महत्वपूर्ण कौशल विकसित करना।
- भविष्य के करियर और अवसरों के लिए तैयारी करना।
- आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताओं का निर्माण।
- रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना।
- सामाजिक और भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना।
- नैतिक मूल्यों और नैतिकता को स्थापित करना।
- व्यक्तियों को सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाना।
- व्यक्तिगत विकास और आत्मविश्वास में योगदान देना।
- संचार और पारस्परिक कौशल में सुधार करना।
- संक्षेप में, व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण के लिए शिक्षा आवश्यक है। यह सभी के लिए एक बेहतर भविष्य की कुंजी है।

गरीबी और असमानता जैसे संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करते हुए शांति निर्माण के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है। यह समूहों के बीच समझ और सहिष्णुता को बढ़ावा देता है, और व्यक्तियों को संघर्ष समाधान कौशल और दृष्टिकोण से लैस करता है। शिक्षा शांति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसका कारण इस प्रकार है:

- **समझ को बढ़ावा देना:** शिक्षा लोगों को विभिन्न संस्कृतियों, दृष्टिकोण और मान्यताओं को समझने में मदद करती है, व्यक्तियों और समुदायों के बीच सहिष्णुता और सहानुभूति को बढ़ावा देती है।
- **संघर्ष समाधान:** शिक्षा व्यक्तियों को समस्या-समाधान और संवाद कौशल से लैस करती है, जो संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के लिए आवश्यक है।
- **पूर्वाग्रह को कम करना:** शिक्षा रुढ़िवादिता और पूर्वाग्रहों को चुनौती देती है, समावेशिता और विविधता की स्वीकृति को बढ़ावा देती है, जो शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **समुदायों का सशक्तीकरण:** शिक्षा व्यक्तियों और समुदायों को शांतिपूर्वक और रचनात्मक रूप से मुद्दों का समाधान करने के लिए ज्ञान और उपकरण प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाती है।
- **विश्वास का निर्माण:** शिक्षा विभिन्न समूहों के बीच विश्वास का निर्माण करती है, क्योंकि यह संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करती है, जिससे संबंध मजबूत होते हैं।
- **मूल कारणों को संबोधित करना:** शिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर गरीबी और असमानता जैसे संघर्षों के मूल कारणों को संबोधित करने में मदद कर सकती है।
- **सक्रिय नागरिकों का निर्माण:** शिक्षा सक्रिय नागरिकता को बढ़ावा देती है, व्यक्तियों को अपने समुदायों में भाग लेने और शांतिपूर्ण परिवर्तन की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- **हिंसा के चक्र को तोड़ना:** शिक्षा प्रदान करके, विशेष रूप से बच्चों को, हम हिंसा के चक्र को तोड़ सकते हैं और अधिक शांतिपूर्ण भविष्य को बढ़ावा दे सकते हैं।
- **मानवाधिकारों को बढ़ावा देना:** शिक्षा मानवाधिकारों के प्रति सम्मान की भावना पैदा करती है और समानता और न्याय पर आधारित शांति की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

कुल मिलाकर, शिक्षा सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए आवश्यक ज्ञान, समझ और कौशल वाले व्यक्तियों को सशक्त बनाकर एक अधिक शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

कोई सवाल ??

प्रतिक्रियाएँ

सत्र 3

शिक्षा के महत्व पर स्किट (नाटक) - प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शन किया जाना

दृश्य: ग्रामीण भारत का एक गाँव।

वर्ण:

पिता: एक गरीब किसान जो अनपढ़ है।

पुत्र: एक युवा लड़का जो सीखने के लिए उत्सुक है।

शिक्षक: एक युवा महिला जो शिक्षा के प्रति जुनूनी है।

संवाद:

पिता: बेटा, तुम स्कूल क्यों जाना चाहते हो? किसान बनने के लिए आपको शिक्षा की आवश्यकता नहीं है।

बेटा: लेकिन मैं पढ़ना-लिखना सीखना चाहता हूँ। मैं इस गाँव के बाहर की दुनिया के बारे में जानना चाहता हूँ।


पिता: लेकिन स्कूल महंगा है। हम इसे वहन नहीं कर सकते।

बेटा: पिताजी, कृपया। मैं वादा करता हूँ कि मैं कड़ी मेहनत करूँगा और खेत में आपकी मदद करूँगा।

पिता: (आह भरते हुए) ठीक है। आप स्कूल जा सकते हैं।

बेटा स्कूल जाता है और पढ़ना-लिखना सीखता है। वह विज्ञान, गणित और इतिहास के बारे में भी सीखता है। वह एक उज्ज्वल और बुद्धिमान युवक बन जाता है।

वर्षों बाद, बेटा अपने गाँव लौटता है। अब वह एक शिक्षक हैं। वह गाँव में एक स्कूल खोलता है ताकि अन्य बच्चों को सीखने का अवसर मिल सके।



पिता को अपने बेटे पर गर्व है। वह समझता है कि शिक्षा बेहतर भविष्य की कुंजी है।

यह नाटक भारत में शिक्षा के महत्व को दर्शाता है। एक ऐसे देश में जहां कई लोग अनपढ़ हैं, शिक्षा सामाजिक और आर्थिक गतिशीलता के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकती है। यह लोगों को गरीबी के चक्र को तोड़ने और उनके जीवन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

नाटक शिक्षा में आदर्श होने के महत्व को भी दर्शाता है। बेटे की शिक्षिका एक युवा महिला है जो शिक्षा के प्रति भावुक है। वह बेटे को सीखने और स्वयं शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करती है। इससे पता चलता है कि शिक्षक अगली पीढ़ी को शिक्षित करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

अध्याय 8

-शांति और बच्चे

उद्देश्य-आज के सत्र में, सुविधा प्रदाता इस बात पर चर्चा करेंगे कि बच्चे अपने समुदायों में शांति और सद्भाव को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1

समाज में शांति स्थापित करने और बनाए रखने में बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों को शांति के दूत के रूप में देखा जा सकता है, और यदि वे शांतिपूर्ण संवाद में शामिल होते हैं, तो वे निश्चित रूप से सफल होंगे। यहाँ कुछ कारण दिए गए हैं कि बच्चे शांति के लिए क्यों महत्वपूर्ण हैं:

दयालुता और सहानुभूति: बच्चों को दूसरों के प्रति दयालु और सहानुभूतिपूर्ण होने के लिए प्रोत्साहित करना समुदाय के भीतर समझ और समर्थन की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

विविधता के लिए सम्मान: बच्चों को संस्कृति, धर्म और पृष्ठभूमि में अंतर का सम्मान करने और उनकी सराहना करने के लिए सिखाने से एक समावेशी और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाने में मदद मिलती है।

संघर्ष समाधान कौशल: बच्चों को संघर्ष समाधान कौशल से लैस करना उन्हें असहमति को शांतिपूर्वक संभालने और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए सशक्त बनाता है।



- **संचार और सुनना:** खुले संचार और सक्रिय सुनने को प्रोत्साहित करने से बच्चों को विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने में मदद मिलती है, जिससे बेहतर संबंध बनते हैं।
- **स्वयंसेवा और सेवा:** सामुदायिक सेवा और स्वयंसेवा में शामिल होने से जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है और सहयोग और एकता की भावना को बढ़ावा मिलता है।
- **सहिष्णुता को बढ़ावा देना:** बच्चों को दूसरों की मान्यताओं और विचारों के प्रति सहिष्णु होना सिखाने से पूर्वाग्रह को कम करने और अधिक स्वीकार करने वाले समुदाय को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान:** सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों का आयोजन बच्चों को एक दूसरे की परंपराओं और मूल्यों से सीखने, आपसी सम्मान को बढ़ावा देने की अनुमति देता है।
- **पर्यावरणीय जागरूकता:** बच्चों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना पैदा करने से एक ऐसा समुदाय बनाने में मदद मिलती है जो स्थिरता और संरक्षण को महत्व देता है।
- **संघर्ष मध्यस्थता:** बच्चों को अपने साथियों के बीच संघर्ष में मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करना उन्हें मूल्यवान बातचीत कौशल सिखाता है और शांतिपूर्ण समाधानों को बढ़ावा देता है।

सत्र 2 मंथन

बच्चों द्वारा किए गए निम्नलिखित अभ्यास का नेतृत्व सहायक करेगा। समूह गतिविधि: उन्हें नौ समूहों में विभाजित करें, और प्रत्येक समूह उन गतिविधियों में भाग लेगा जो ऊपर उल्लिखित कार्यों के आधार पर शांति और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। उन्हें भूमिकाओं के माध्यम से कार्यों के लिए अपने विचारों को प्रस्तुत करने दें।

फैसिलिटेटर नोट्स: उपरोक्त अभ्यास के उदाहरण

दयालुता और सहानुभूति: दयालुता के यादृच्छिक कार्य चुनौती: बच्चों को पूरे सप्ताह अपने साथियों और शिक्षकों के लिए दयालुता के छोटे-छोटे कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

विविधता के लिए सम्मान: सांस्कृतिक प्रदर्शन और वर्णन: बच्चों को उनकी अनूठी सांस्कृतिक प्रथाओं, परंपराओं या खाद्य पदार्थों को समूह के साथ साझा करने के लिए कहें ताकि समझ और प्रशंसा को बढ़ावा दिया जा सके।

संघर्ष समाधान कौशल: भूमिका-निर्वाह परिदृश्य: विभिन्न संघर्ष परिदृश्य बनाएँ और बच्चों को यह दिखाने के लिए कहें कि वे उन्हें शांतिपूर्वक कैसे हल करेंगे।
संवाद और श्रवण: श्रवण चक्र: छोटे समूह बनाएँ और बच्चों को बारी-बारी से अपने विचारों और भावनाओं को साझा करने के लिए कहें, जबकि अन्य सक्रिय श्रवण का अभ्यास करें।

स्वयंसेवा और सेवा: सामुदायिक सफाई दिवस: जिम्मेदारी और टीम वर्क की भावना पैदा करने के लिए पड़ोस या स्कूल परिसर में एक सफाई गतिविधि का आयोजन करें।
सहिष्णुता को बढ़ावा देना: सहिष्णुता की प्रतिज्ञा दीवार: बच्चों को एक निर्धारित दीवार पर अधिक सहिष्णु होने और दूसरों को स्वीकार करने की प्रतिज्ञाएँ लिखने के लिए कहें।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान: अंतर्राष्ट्रीय खाद्य दिवस: एक कार्यक्रम की मेजबानी करें जहाँ बच्चे और उनके परिवार दूसरों के साथ साझा करने के लिए विभिन्न संस्कृतियों के व्यंजन लाते हैं।

पर्यावरण जागरूकता: प्रकृति मैला ढोने वाले शिकार: बच्चों को पर्यावरण का अवलोकन करने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय उद्यान या प्रकृति क्षेत्र में मैला ढोने वाले शिकार का आयोजन करें।

संघर्ष मध्यस्थता: मध्यस्थता भूमिका-निर्वाह: बच्चों को अपने साथियों के बीच मध्यस्थता संघर्षों का अभ्यास करने के लिए कहें, जिससे उन्हें बातचीत करने का कौशल विकसित करने में मदद मिले।

सत्र 3

भारत में बच्चों द्वारा शांति को बढ़ावा देने पर कहानी

शांति की किरण: भारत में सद्भाव को बढ़ावा देने वाले बच्चे

एक समय की बात है कि भारत के व्यस्त शहर मुंबई में विभिन्न पृष्ठभूमि के बच्चे एक करीबी पड़ोस में रहते थे। अपने सांस्कृतिक, धार्मिक और आर्थिक मतभेदों के बावजूद, बच्चे एक साथ खेलते थे, एक साथ हंसते थे, और एक ही सूरज के नीचे अपने सपने साझा करते थे।

एक धूप वाली दोपहर, जब बच्चे पार्क में क्रिकेट खेल रहे थे, खेल के दौरान लिए गए एक फैसले को लेकर दो लड़कों, राज और आमिर के बीच तीखी बहस हुई। छोटी सी लड़ाई जल्दी ही एक कड़वे विवाद में बदल गई, जिससे बच्चों के बीच उनके समुदायों के आधार पर एक रेखा खींच ली गई। एक बार उद्यान में जो जीवंत सद्भाव भरा हुआ था, उसकी जगह तनाव और शत्रुता ने ले ली।

दूर से देखते हुए, अपर्णा नाम की एक बुद्धिमान बुजुर्ग महिला, जिसे प्यार से दादी के नाम से जाना जाता था, ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया। दादी ने अपने जीवनकाल में ऐसे कई संघर्ष देखे थे, और उनका मानना था कि बच्चे शांति को बढ़ावा देने की कुंजी हैं। उसने उस शाम सभी बच्चों को अपने आरामदायक कमरे में इकट्ठा किया, जहाँ उसने उन्हें ताज़े पके हुए कुकीज़ और गर्म दूध परोसा।

एक कोमल मुस्कान के साथ, दादी ने विविधता के बीच राष्ट्र की एकता को उजागर करते हुए भारत के समृद्ध इतिहास की कहानियाँ सुनाना शुरू किया। उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी और मदर टेरेसा जैसे महान नेताओं ने शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। बच्चे ध्यान से सुनते थे, कहानियों और दादी के ज्ञान की गहराई से मोहित होते थे।

कहानियों से प्रेरित होकर, बच्चों ने खुद कुछ सार्थक करने का आग्रह महसूस किया। उन्होंने एक "पीस क्लब" बनाने का फैसला किया, जिसमें राज और आमिर सह-अध्यक्ष थे। क्लब का उद्देश्य समझ, सहानुभूति और दोस्ती को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न समुदायों के बच्चों को एक साथ लाना था।

पीस क्लब की पहली पहल पार्क में "एकता दिवस" का आयोजन करना था, जहाँ हर पृष्ठभूमि के बच्चों को मजेदार खेलों, सांस्कृतिक प्रदर्शनों और भोजन-साझाकरण में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता था।

दादी और पड़ोस के अन्य बुजुर्गों के समर्थन से, इस कार्यक्रम ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया और जल्दी ही समुदाय में शांति की आशा का प्रतीक बन गया।

जैसे-जैसे पीस क्लब फलता-फूलता रहा, इसने पार्क से परे अपनी गतिविधियों का विस्तार किया। उन्होंने सहिष्णुता, अहिंसक संचार और सांस्कृतिक प्रशंसा पर कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें माता-पिता और समुदाय के अन्य सदस्यों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। जल्द ही, बुजुर्गों को युवा पीढ़ी की क्षमता और एक सामंजस्यपूर्ण समाज बनाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता का एहसास होने लगा।

वर्ड ऑफ द पीस क्लब के प्रयास पूरे शहर के स्कूलों और संगठनों तक पहुंचे। जल्द ही, विभिन्न पड़ोसों में इसी तरह के क्लब अंकुरित हुए, सभी शांति और एकता को बढ़ावा देने के साझा लक्ष्य के तहत एक साथ काम कर रहे थे।

बच्चों की पहलों का प्रभाव दूर-दूर तक फैल गया, यहां तक कि सत्ता के गलियारों तक भी पहुंच गया। सरकारी अधिकारियों ने शांति के इन युवा राजदूतों की क्षमता को पहचाना और स्कूली पाठ्यक्रम में शांति शिक्षा को एकीकृत करने का निर्णय लिया।

इन वर्षों में, जैसे-जैसे बच्चे जिम्मेदार युवा वयस्कों के रूप में बड़े हुए, उनका शांति का संदेश पूरे भारत में गूंजा। उनकी कहानी ने अनगिनत अन्य लोगों को अपने मतभेदों को दरकिनार करने और एक उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।

मुंबई के बच्चों ने साबित कर दिया कि चाहे कितना भी छोटा हो या छोटा, कोई भी शांति और सद्भाव में योगदान कर सकता है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि स्थायी शांति का मार्ग समझ, स्वीकृति और दोस्ती के साथ शुरु हुआ-ऐसे मूल्य जो कोई सीमा नहीं जानते थे।

और इसलिए, उनकी विरासत जारी रही, पूरे भारत में बच्चों द्वारा शांति संवर्धन की एक श्रृंखला प्रतिक्रिया का निर्माण, उन सभी के दिलों में आशा, प्रेम और समझ लाया जिन्होंने विविधता में एकता की भावना को अपनाया।

सुविधा प्रदाताओं का नोट:

कहानी की नैतिकता: गहरे मतभेदों और संघर्षों के बावजूद, बच्चों के मासूम दिलों और कार्यों में सद्भाव को प्रेरित करने, विभाजन को पाटने और समाज में शांति के बीज बोने की शक्ति होती है

अध्याय 9 हिंसा और संघर्ष समाधान

उद्देश्य: यह अध्याय हिंसा और संघर्ष समाधान के बारे में बात करेगा। सूत्रधार हिंसा को परिभाषित करेगा और संघर्ष का समाधान कैसे किया जा सकता है।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1

हिंसा और संघर्ष जटिल मुद्दे हैं जो लंबे समय से मानव इतिहास का हिस्सा रहे हैं। संघर्ष विभिन्न कारणों से उत्पन्न हो सकता है, जैसे कि मूल्यों, मान्यताओं, हितों या सीमित संसाधनों में अंतर। हिंसा के विनाशकारी परिणामों को कम करने के लिए संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के तरीके खोजना आवश्यक है।

हिंसा और संघर्ष समाधान पर कुछ प्रमुख बिंदु यहां दिए गए हैं:

- मूल कारणों को समझना: संघर्ष को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए, अंतर्निहित कारणों की पहचान करना और उन्हें समझना महत्वपूर्ण है। इसमें शामिल सभी पक्षों की जरूरतों, आशंकाओं और चिंताओं को पहचानना शामिल है। मूल कारणों को समझने से पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजना आसान हो जाता है।
- संचार और संवाद: संघर्ष के समाधान में खुला और रचनात्मक संचार महत्वपूर्ण है। इसमें शामिल दलों को अपने दृष्टिकोण, रुचियों और शिकायतों को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

- समझ को बढ़ावा देने और विश्वास बनाने के लिए सक्रिय रूप से सुनना और सहानुभूति आवश्यक है। मध्यस्थता और बातचीत की प्रक्रियाएं परस्पर विरोधी पक्षों के बीच बातचीत को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकती हैं।
- अहिंसक दृष्टिकोण: हिंसा अक्सर अधिक हिंसा की ओर ले जाती है और लंबे समय तक चलने वाली क्षति का कारण बन सकती है। संघर्ष समाधान के लिए अहिंसक दृष्टिकोण शांतिपूर्ण समाधान खोजने की कोशिश करते हैं जो इसमें शामिल सभी व्यक्तियों की गरिमा और अधिकारों का सम्मान करते हैं। इसमें संवाद, बातचीत, कूटनीति और सुलह को बढ़ावा देना शामिल है।
- मध्यस्थता और वार्ता: मध्यस्थता में एक तटस्थ तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप शामिल है जो परस्पर सहमत समाधान खोजने में परस्पर विरोधी पक्षों की सहायता करता है। बातचीत में किसी समझौते या समझौते पर पहुंचने के लिए शामिल पक्षों के बीच सीधी चर्चा शामिल होती है। दोनों प्रक्रियाओं का उद्देश्य साझा आधार खोजना और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करना है।
- संघर्ष समाधान ढांचा: विभिन्न संघर्ष समाधान ढांचा मौजूद हैं, जैसे कि सैद्धांतिक बातचीत, हित-आधारित बातचीत और जीत-जीत के दृष्टिकोण। ये ढांचे समस्या-समाधान, सहयोग और रचनात्मक समाधानों पर जोर देते हैं जो इसमें शामिल सभी पक्षों की अंतर्निहित जरूरतों और हितों को पूरा करते हैं।

शांति निर्माण और सुलह-शांति निर्माण के प्रयास संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करने और स्थायी शांति को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। इसमें सामाजिक न्याय, मानवाधिकारों और संसाधनों तक समान पहुंच को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। सुलह प्रक्रियाओं का उद्देश्य संघर्ष के कारण होने वाले घावों को ठीक करना और अक्सर सत्य और न्याय तंत्र के माध्यम से दीर्घकालिक शांति को बढ़ावा देना है।

- शिक्षा और जागरूकता: अहिंसा, संघर्ष समाधान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के बारे में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने से संघर्षों को रोकने और शांति की संस्कृति बनाने में मदद मिल सकती है। बच्चों और वयस्कों को सहानुभूति, सहिष्णुता और प्रभावी संचार के बारे में सिखाने से हिंसा को कम करने और संघर्षों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने में योगदान मिल सकता है।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: कई संघर्ष राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर जाते हैं, जिनका स्थायी समाधान खोजने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कूटनीति की आवश्यकता होती है। संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठन शांति स्थापना, मध्यस्थता और मानवीय सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सत्र 2

संघर्ष समाधान में बच्चों की भूमिका

बच्चे संघर्ष के समाधान में प्रतिभागियों और परिवर्तन के एजेंटों दोनों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जबकि संघर्षों को अक्सर वयस्क मुद्दों के रूप में देखा जाता है, बच्चे अक्सर संघर्षों से प्रभावित होते हैं और विभिन्न तरीकों से उनके समाधान में योगदान कर सकते हैं। संघर्ष समाधान में बच्चों की भूमिका के कुछ प्रमुख पहलू यहां दिए गए हैं:

समझ और सहानुभूति का निर्माण: बच्चों में सहानुभूति विकसित करने और विभिन्न दृष्टिकोण को समझने की क्षमता होती है। बच्चों को संवाद में शामिल करके और सहानुभूति को बढ़ावा देकर, वे संघर्षों को कई कोणों से देखना सीख सकते हैं, जो शांतिपूर्ण समाधान खोजने में योगदान कर सकते हैं।



मध्यस्थता और सहकर्मी संघर्ष समाधान: बच्चे अपने साथियों के बीच संघर्षों को हल करने में मध्यस्थ या सहायक के रूप में कार्य कर सकते हैं। उनके पास अवसर विवादों की मध्यस्थता करने और सामान्य आधार खोजने की क्षमता होती है, जो नए दृष्टिकोण और रचनात्मक समाधान प्रदान करते हैं जो वयस्कों के लिए नहीं हो सकते हैं।

शांति के लिए शिक्षा: स्कूली पाठ्यक्रम में शांति शिक्षा को एकीकृत करने से बच्चों को संघर्ष समाधान कौशल, सामाजिक और भावनात्मक क्षमताओं और आलोचनात्मक सोच क्षमताओं को विकसित करने में मदद मिलती है। बच्चों को इन कौशलों से लैस करके, वे अपने समुदायों और उससे बाहर के संघर्षों को हल करने में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं।

युवाओं के नेतृत्व वाली पहल: कई युवाओं के नेतृत्व वाले संगठन और पहल शांति निर्माण और संघर्ष समाधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बच्चे और युवा लोग शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, संवाद और सुलह को बढ़ावा देने के लिए समर्पित समूह, क्लब या संगठन बना सकते हैं। उनके सामूहिक प्रयासों का संघर्षों को हल करने और सकारात्मक परिवर्तन को बढ़ावा देने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

सहभागितापूर्ण निर्णय लेना: उन संघर्षों में जो बच्चों को सीधे प्रभावित करते हैं, निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनकी आवाज और दृष्टिकोण को शामिल करना महत्वपूर्ण है। उनकी भागीदारी यह सुनिश्चित करती है कि उनकी जरूरतों और चिंताओं का समाधान किया जाए, और यह उन्हें अपने जीवन को प्रभावित करने वाले संघर्षों के समाधान में योगदान करने के लिए सशक्त बनाता है।

वकालत और जागरूकता बढ़ाना: बच्चे अपने जीवन पर संघर्षों के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकते हैं। कला, मीडिया, कहानी कहने और सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से, वे हिंसा के परिणामों को उजागर कर सकते हैं और संवाद, सहिष्णुता और समझ के महत्व को बढ़ावा दे सकते हैं।

दीर्घकालिक शांति निर्माण: दीर्घकालिक शांति निर्माण के लिए बच्चों की भलाई, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करना महत्वपूर्ण है। उन्हें शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सहायता के अवसर प्रदान करके, बच्चे सकारात्मक परिवर्तन के कारक बन सकते हैं और अपने समुदायों में स्थायी शांति में योगदान कर सकते हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संघर्ष समाधान में बच्चों की भागीदारी को हमेशा उनकी सुरक्षा, कल्याण और आयु-उपयुक्त भूमिकाओं पर विचार करना चाहिए। बच्चों को नुकसान और शोषण से बचाया जाना चाहिए, और उनकी भागीदारी नैतिक दिशानिर्देशों और उपयुक्त समर्थन प्रणालियों द्वारा निर्देशित होनी चाहिए।

कुल मिलाकर, संघर्ष समाधान और शांति निर्माण में सक्रिय योगदानकर्ताओं के रूप में बच्चों की क्षमता को पहचानने से अधिक समावेशी और टिकाऊ समाधान हो सकते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सकता है।

सत्र 3:

बच्चों द्वारा संघर्ष समाधान पर लघु नाटिका

सद्भाव को अपनाना: भारत में एक पीस क्लब द्वारा संघर्ष समाधान पर नाटक प्रस्तुति

आरव-पीस क्लब का सदस्य

रिया-पीस क्लब की सदस्य

अदिती-पीस क्लब की सदस्य

संजय-पीस क्लब के सदस्य

श्रीमती कपूर-पीस क्लब सलाहकार

(नाटक का दृश्य भारत में एक सामुदायिक केंद्र में खुलता है जहाँ पीस क्लब के सदस्य विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमि के बच्चों के दो समूहों के बीच संघर्ष को संबोधित करने के लिए इकट्ठा होते हैं।)

आरव: (उत्साह से) नमस्ते, सभी! आज हमारे हाथ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है। हमारा पीस क्लब हमारे पड़ोस के विभिन्न समुदायों के बच्चों के बीच संघर्ष को हल करके एक बदलाव ला सकता है।

रिया: (सिर हिलाती हुई) हां, उन्हें एक साथ लाना और समझ और सम्मान को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

अदिती: मैं सहमत हूँ। हमें उन्हें खुले तौर पर संवाद करने और विविधता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

संजय: शायद हम यह प्रदर्शित करने के लिए एक भूमिका खेल का आयोजन कर सकते हैं कि इस संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीके से कैसे संभाला जाए?

अराव: बहुत बढ़िया विचार, संजय! आइए हम संघर्ष में शामिल दो समूहों में खुद को विभाजित करें और परिदृश्य पर कार्रवाई करें।

वे दो समूहों में विभाजित होते हैं। समूह ए परस्पर विरोधी समूहों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है, और समूह बी दूसरे का प्रतिनिधित्व करता है।

श्रीमती कपूर: मध्यस्थ के रूप में कार्य करना ठीक है, समूह ए, आप शुरू कर सकते हैं। कृपया अपनी भावनाओं और चिंताओं को साझा करें।

समूह ए के सदस्य अपनी कुंठाओं और चिंताओं को व्यक्त करते हैं, अपने दृष्टिकोण व्यक्त करते हैं।

रिया: (ग्रुप बी के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए) हम समझते हैं कि आप परेशान और आहत महसूस करते हैं, और हम आपकी बात सुनना चाहते हैं।

अदिती:(ग्रुप बी के रूप में भी काम कर रही हैं) आइए याद रखें कि हम सभी इस समुदाय को साझा करते हैं, और हम मिलकर इसे मजबूत बना सकते हैं।

सक्रिय रूप से सुनने, सहानुभूति और सामान्य आधार खोजने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वे भूमिका निभाना जारी रखते हैं।)

संजय: (समूह ए के रूप में कार्य कर रहे हैं)हमें धर्म के आधार पर एक-दूसरे को सामान्य बनाना और रुढ़िबद्ध करना बंद कर देना चाहिए। यह केवल विभाजन को गहरा करता है।

अराव: (समूह बी के रूप में कार्य कर रहा है) हां, आइए हम उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करें जो हमारे बीच समान हैं और अपनी विविधता का जश्न मनाएं।

श्रीमती कपूर: (मध्यस्थ के रूप में कदम रखना) यह देखकर खुशी होती है कि दोनों समूह एक-दूसरे को सुनने और समझने के लिए तैयार हैं। याद रखें, भारत विविध संस्कृतियों की भूमि है, और यह हमारी ताकत है।

रिया: (मुस्कुराती हुई) बिल्कुल! आइए एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करें जहाँ हम एक-दूसरे की परंपराओं का प्रदर्शन कर सकते हैं और उनके बारे में जान सकते हैं।

अदिती: (उत्साह से यह एक अद्भुत विचार है), रिया! यह हमें अंतर को पाटने और दोस्ती बनाने में मदद करेगा।

(वे संयुक्त गतिविधियों, सामुदायिक सेवा परियोजनाओं और अंतरधार्मिक संवादों सहित विचारों पर विचार करना जारी रखते हैं)

संजय: (समूह ए के रूप में कार्य करते हुए) मेरा मानना है कि हम एक साथ काम करके इस समुदाय को अधिक सामंजस्यपूर्ण स्थान बना सकते हैं।

आरव: (समूह बी के रूप में कार्य करना) और आइए सभी धर्मों और संस्कृतियों के लिए एकता और सम्मान को बढ़ावा दें।

श्रीमती कपूर: (गर्व से) अच्छा किया, सभी! आपकी भूमिका ने भारत की सच्ची भावना को प्रदर्शित किया, जहां विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आ सकते हैं और एक शांतिपूर्ण और समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं।

(वे सभी हाथ मिलाते हैं, जो एकता और एकजुटता का प्रतीक है।.)

रिया: (दृढ़ संकल्प) आइए इन विचारों को लागू करें और दूसरों को दिखाएं कि संघर्षों को बातचीत और समझ के माध्यम से शांति से हल किया जा सकता है।

अदिती: (सिर हिलाते हुए) हाँ, आइए हम अपने समुदाय में शांति और सद्भाव के दूत बनें!

आरव: (मुस्कुराते हुए) और याद रखें कि हमारे पास एक सकारात्मक बदलाव करने की शक्ति है, चाहे हमारी उम्र कुछ भी हो।

(वे सभी अपने पड़ोस में शांति और एकता का संदेश फैलाने के लिए तैयार होकर सामुदायिक केंद्र छोड़ देते हैं।)



अध्याय 10 सतत विकास और शांति

उद्देश्य-सुविधा प्रदाता व्यक्तियों और राष्ट्रों के लिए इसके महत्व पर जोर देते हुए सतत विकास पर चर्चा करेगा। सत्र में विकास और शांति के बीच पूरक संबंधों पर प्रकाश डाला जाएगा।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



सत्र 1:

सतत विकास के बारे में

सतत विकास का अर्थ है आज दुनिया को लोगों के लिए बेहतर बनाना, साथ ही भविष्य के लिए पर्याप्त बचत करना ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी अच्छा जीवन मिल सके। यह चीजों का बुद्धिमानी से उपयोग करने के बारे में है और उन सभी का उपयोग नहीं करने के बारे में है।

बच्चे कई तरीकों से सतत विकास में एक आवश्यक भूमिका निभा सकते हैं:

सीखना और जागरूकता: बच्चे स्थिरता और इसके महत्व के बारे में सीख सकते हैं, जो कम उम्र से ही जागरूकता पैदा करने में मदद करता है। वे पर्यावरण और समाज पर अपने कार्यों के प्रभाव को समझ सकते हैं।

संसाधनों का संरक्षण: बच्चे घर और स्कूल में संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। आवश्यकता न होने पर रोशनी बंद करने, पानी के उपयोग को कम करने और पुनर्चक्रण जैसे सरल कार्य एक अंतर ला सकते हैं।

पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देना: बच्चे अपने परिवार और दोस्तों को पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, जैसे कि पुनः प्रयोज्य थैलों का उपयोग करना, प्लास्टिक कचरे को कम करना और टिकाऊ उत्पादों का समर्थन करना।

हरित पहलों का समर्थन: बच्चे स्थानीय हरित पहलों में भाग ले सकते हैं, जैसे वृक्षारोपण, सामुदायिक सफाई और पर्यावरण संगठनों का समर्थन करना।

वकालत और शिक्षा: बच्चे अपने ज्ञान को साझा करके और दूसरों को अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव करने के लिए प्रेरित करके स्थिरता की वकालत कर सकते हैं।

नवान्वेषण और रचनात्मकता: बच्चे पर्यावरणीय चुनौतियों को हल करने और स्थायी समाधानों में योगदान करने के लिए नवान्वेषी विचारों के साथ आ सकते हैं।

दूसरों को सशक्त बनाना: बच्चे वयस्कों को स्थिरता पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करने में शक्तिशाली आवाज बन सकते हैं, उन्हें अधिक जिम्मेदार विकल्प बनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।

सत्र 2:

कहानी का समय

एक समय की बात है, प्रिया नाम की एक युवा लड़की थी जो भारत के एक छोटे से गाँव में रहती थी। प्रिया को अपने गाँव के पास के जंगल में खेलना पसंद था, लेकिन वह यह देखने लगी थी कि जंगल पहले की तरह हरा-भरा और स्वस्थ नहीं था। पेड़ कम थे, और जानवर गायब होते दिख रहे थे।

प्रिया जंगल के बारे में चिंतित थी, इसलिए उसने इसके बारे में कुछ करने का फैसला किया।



उसने अपने माता-पिता और शिक्षकों से बात की, और उन्होंने जंगल को बचाने के लिए एक परियोजना शुरू करने में उसकी मदद की। प्रिया और उसके दोस्तों ने नए पेड़ लगाए, कचरे की सफाई की और ग्रामीणों को पर्यावरण की रक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित किया। समय के साथ, प्रिया की परियोजना सफल रही। जंगल ठीक होने लगे और जानवर वापस आने लगे। प्रिया ने जो हासिल किया था उस पर उसे गर्व था, और वह जानती थी कि उसने दुनिया में बदलाव लाया है।

प्रिया की कहानी एक अनुस्मारक है कि छोटे कार्य भी एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। बच्चे सतत विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं, और वे अपने और ग्रह के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने में मदद कर सकते हैं।

यहाँ कुछ अन्य चीजें दी गई हैं जो बच्चे सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं:

- कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण करें
- पानी और ऊर्जा की बचत करें
- पेड़ लगाएं।
- टिकाऊ उत्पादों का चयन करें
- पर्यावरण संबंधी गतिविधियों में शामिल हों
- हर छोटी सी चीज मदद करती है!

सतत विकास और शांति

सतत विकास के लिए शांति आवश्यक है क्योंकि यह निवेश और विकास के लिए एक अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय वातावरण बनाता है।

सतत विकास गरीबी, असमानता और पर्यावरणीय क्षरण जैसे संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करके एक अधिक शांतिपूर्ण दुनिया बनाने में मदद कर सकता है।

इस बात पर विचार करें कि यूक्रेन, रूस और मणिपुर में विकास कैसे प्रभावित हुआ है और संघर्ष ने उनके जीवन और विकास प्रक्रिया को कैसे प्रभावित किया है।

vaachusita kumar

आज के साझा करने पर प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया के साथ समापन टिप्पणी धन्यवाद का वोट और अगली कक्षा की तारीख को अंतिम रूप देना और आगे की चर्चा। फैसिलिटेटर प्रतिभागियों के लिए एस. डी. जी. पर अगली कक्षा में प्रश्नोत्तरी सत्र की घोषणा करेगा।

कप्तान को सार्वजनिक रूप से शांति समूह पत्रिका के प्रसार का कर्तव्य सौंपा गया।

कहानी

संकल्प नाम का एक छोटा-सा गाँव कभी बेहद शांतिपूर्ण था। यहाँ के लोग खेती करते थे, पशुधन पालते थे, और एक साथ मिलकर अपनी जिंदगी बिताते थे। गाँव में सभी लोग एक-दूसरे से जुड़े हुए थे और जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद के लिए आगे आते थे।

फिर एक दिन, गाँव पर युद्ध की काली छाया आ पड़ी। संघर्ष भयानक था, और उसका असर गाँव पर भारी पड़ा। कई लोग इस संघर्ष में मारे गए, और बहुत से लोग अपना घर-बार छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए। जो लोग बचे थे, वे खुद को असहाय और अकेला महसूस करने लगे।

इसी अराजकता के बीच, गाँव के कुछ युवाओं ने एकजुट होने का फैसला किया। उन्होंने अपने गाँव को फिर से बसाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने का संकल्प लिया। सबसे पहले, उन्होंने गाँव के चारों ओर पेड़ लगाने शुरू कर दिए। उन्हें पता था कि ये पेड़ न केवल उन्हें भोजन, छाया और ईंधन देंगे बल्कि पर्यावरण की भी रक्षा करेंगे।

इसके साथ ही, इन युवाओं ने गाँव का ढांचा सुधारने का काम भी शुरू किया। उन्होंने टूटी सड़कों को ठीक किया, नए स्कूल बनाए और एक छोटा-सा स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किया, ताकि गाँव के लोगों को बुनियादी सुविधाएँ मिल सकें।

गाँव में फिर से शांति लाने के लिए, उन्होंने एक और अहम कदम उठाया। उन्होंने कार्यशालाओं और बैठकों का आयोजन किया, जहाँ गाँव के लोग मिलकर अपने मतभेदों पर खुलकर चर्चा कर सकते थे। उन्होंने एक ऐसा तंत्र भी स्थापित किया, जहाँ किसी भी विवाद का समाधान समुदाय के सहयोग से किया जा सके।

इन युवाओं की मेहनत और एकता से गाँव कल्प एक बार फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने लगा। उनके प्रयासों ने गाँव में न सिर्फ शांति बल्कि उम्मीद की एक नई किरण भी जगा दी।

समय के साथ, संकल्प गाँव ठीक होने लगा। लोगों ने अपने घरों का पुनर्निर्माण किया और उन्होंने फिर से खेती करना शुरू कर दिया। पेड़ ऊँचे हो गए और हवा साफ थी। जिन युवाओं ने पुनर्निर्माण प्रयास का नेतृत्व किया था, उन्हें इस बात पर गर्व था कि उन्होंने क्या हासिल किया था। उन्होंने दिखाया था कि युद्ध के बीच में भी एक शांतिपूर्ण और टिकाऊ भविष्य बनाना संभव था। संकल्प की कहानी यह याद दिलाती है कि शांति और सतत विकास केवल आदर्श नहीं हैं। वे प्राप्त करने योग्य लक्ष्य हैं जिन्हें कड़ी मेहनत और समर्पण के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। जब लोग एक साथ काम करते हैं, तो वे अपने और अपने बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य बना सकते हैं।

चर्चा के लिए प्रश्न

- प्र. किस बात ने संकल्प गांव के युवाओं को एकजुट किया?
- प्र. संकल्प गांव के युवाओं में हम कौन से चरित्र लक्षण देखते हैं??
- प्र. क्या इस तरह का चरित्र अपने कार्य में युवाओं के लिए सहायक है ?
- प्र. युवाओं का उद्देश्य क्या था?
- प्र. यह कहानी किस बात पर केन्द्रित है? ?



अध्याय 11 बाल अधिकार

उद्देश्य-आज के सत्र में सुविधा प्रदाता बाल अधिकारों के बारे में बात करेंगे। जहाँ बच्चे बाल अधिकारों के बारे में जानेंगे और कैसे ये अधिकार बच्चों को समाज में बढ़ने और विकास करने में मदद करेंगे और देश के एक सफल नागरिक बन सकते हैं।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



शांति समुह पत्रिका के माध्यम से अंतिम श्रेणी की चर्चा का पुनर्कथन जो अंतिम श्रेणी के कप्तान द्वारा किया जाएगा।

सत्र 1

प्र. बाल अधिकार क्या हैं?

बाल अधिकार उन मौलिक अधिकारों और सुरक्षाओं को संदर्भित करते हैं जो प्रत्येक बच्चे को दिए जाने चाहिए। ये अधिकार बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीआरसी) पर आधारित हैं जो 1989 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाई गई एक अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधि है।

दूसरे शब्दों में, बाल अधिकार बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और निष्पक्ष रहने के लिए विशेष सुरक्षा और वादे हैं। इनमें स्कूल जाना, पर्याप्त भोजन करना और नुकसान से सुरक्षित रहना शामिल है। बाल अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रत्येक बच्चा खुश, स्वस्थ और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के अवसर के साथ बढ़े।

बाल अधिकारों के प्रमुख सिद्धांत गैर-भेदभाव, बच्चे के सर्वोत्तम हित, जीवन और विकास का अधिकार, बच्चे के विचारों का सम्मान, शिक्षा का अधिकार, स्वास्थ्य और हिंसा और शोषण से सुरक्षा हैं।

एक बच्चे के अधिकारों में शामिल हैं:

जीवन का अधिकार: प्रत्येक बच्चे को जीवित रहने और सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है।

शिक्षा का अधिकार: बच्चों को अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है।

स्वास्थ्य का अधिकार: बच्चों को उनके कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए अच्छे स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल का अधिकार है।

खेलने और आराम करने का अधिकार: बच्चों को आराम करने, खेलने और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार है।

संरक्षण का अधिकार: बच्चों को सभी प्रकार की हिंसा, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण से संरक्षित किया जाना चाहिए।

पहचान का अधिकार: प्रत्येक बच्चे को नाम, राष्ट्रीयता और पहचान का अधिकार है। परिवार और माता-पिता की देखभाल का अधिकार: बच्चों को अपने माता-पिता के साथ रहने और उनकी देखभाल करने का अधिकार है, सिवाय उन मामलों के जहां यह उनके सर्वोत्तम हित में नहीं है।

अभिव्यक्ति का अधिकार: बच्चों को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है, और उन्हें प्रभावित करने वाले मामलों में उनके विचारों पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

गैर-भेदभाव का अधिकार: प्रत्येक बच्चे को नस्ल, धर्म, लिंग या किसी अन्य कारक के आधार पर बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष व्यवहार का अधिकार है।

सशस्त्र संघर्षों में सुरक्षा का अधिकार: सशस्त्र संघर्षों में पकड़े गए बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सुरक्षा प्रदान की जाती है।

ये अधिकार बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सी. आर. सी.) पर आधारित हैं जो उन मौलिक मानवाधिकारों को निर्धारित करता है जिनके सभी बच्चे हकदार हैं।



प्रश्नोत्तरी

बाल अधिकारों के बारे में अपने ज्ञान का परीक्षण करें!

1. बाल अधिकार क्या हैं?

क) बच्चों के लिए विशेष खिलौने और उपहार ख) बच्चों की सुरक्षा, कल्याण और विकास सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा और अधिकार

2. सही या गलत:

प्रत्येक बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है।

3. कौन सा अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों को आराम करने, खेलने और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार है?

क) स्वास्थ्य का अधिकार ख) खेलने और आराम करने का अधिकार (ग) परिवार और माता-पिता की देखभाल का अधिकार

4. सही या गलत:

बच्चों को सभी प्रकार की हिंसा, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण से संरक्षित होने का अधिकार है।

5. गैर-भेदभाव के अधिकार का क्या अर्थ है?

क) यदि बच्चे नहीं चाहते हैं तो वे स्कूल नहीं जाने का विकल्प चुन सकते हैं। (ख) बच्चों को नस्ल, धर्म, लिंग या किसी अन्य कारक के आधार पर बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष व्यवहार का अधिकार है।

6. कौन सा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बाल अधिकारों को निर्धारित करता है?

क) बाल खेल पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ख) बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन

7. सही या गलत: सशस्त्र संघर्षों में फंसे बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए कोई विशेष सुरक्षा नहीं है।

8. कौन सा अधिकार यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चे को नाम, राष्ट्रीयता और पहचान का अधिकार है?

क) शिक्षा का अधिकार ख) पहचान का अधिकार ग) सही या गलत जीवन का अधिकार: बच्चों को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है, और उन्हें प्रभावित करने वाले मामलों में उनके विचारों पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

9. बाल अधिकारों का प्राथमिक लक्ष्य क्या है?

क) बच्चों को कड़ी मेहनत करने और स्कूल में उच्च ग्रेड प्राप्त करने के लिए बनाना ख) यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को खुश, स्वस्थ और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के अवसर के साथ बड़ा होने का मौका मिले

जवाब:

1. (ख) 2. सही, 3. (ख) 4. सही, 5. (ख) 6. (ख) 7. गलत, 8. (ख) 9. (ख)

बाल अधिकारों के उल्लंघन के उदाहरणों में शामिल हैं:

1. बाल श्रम: जब बच्चों को कम उम्र में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, अक्सर खतरनाक परिस्थितियों में, और उन्हें शिक्षा और खेलने के अधिकार से वंचित किया जाता है।
2. बाल विवाह: कानूनी आयु से कम के बच्चों के लिए जबरन या विवाह की व्यवस्था करना, उन्हें सुरक्षित और स्वस्थ बचपन के उनके अधिकार से वंचित करना।
3. बाल तस्करी: जब बच्चों को अवैध रूप से खरीदा, बेचा या उनके परिवारों से दूर ले जाया जाता है, तो उन्हें सुरक्षा और एक प्रेमपूर्ण वातावरण के अधिकार से वंचित किया जाता है।
4. बाल दुर्व्यवहार: बच्चों के साथ शारीरिक, भावनात्मक या यौन दुर्व्यवहार, सुरक्षा और कल्याण के उनके अधिकार का उल्लंघन।
5. शिक्षा का अभाव: बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच से वंचित करना, उन्हें शिक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करने से रोकना और उनके भविष्य के अवसरों को सीमित करना।
6. जबरन सैनिक बनाना: सशस्त्र संघर्षों में बच्चों को शामिल करना या उन्हें बाल सैनिकों के रूप में उपयोग करना, उनके जीवन को जोखिम में डालना और सुरक्षा के उनके अधिकार का उल्लंघन करना।
7. बाल उपेक्षा: जब बच्चों को भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान नहीं की जाती हैं, तो उनके जीवित रहने और विकास के अधिकार से समझौता किया जाता है।
8. बाल शोषण: बच्चों को खतरनाक या हानिकारक परिस्थितियों में काम करना, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण के उनके अधिकार से वंचित करना।
9. भेदभाव: बच्चों के साथ उनके लिंग, धर्म, नस्ल या अन्य कारकों के आधार पर अलग-अलग व्यवहार करना, उनके गैर-भेदभाव के अधिकार का उल्लंघन करता है।
10. पहचान से इनकार: जन्म के समय बच्चों को पंजीकृत नहीं करना, उन्हें नाम, राष्ट्रीयता और पहचान के अधिकार से वंचित करना।



सत्र 2:

माया की कहानी सुनाना:

बच्चों के अधिकारों का सशक्तिकरण

एक बार की बात है, हरे-भरे ग्रामीण इलाकों के बीच में बसे एक छोटे से गाँव में माया नाम की एक युवा लड़की रहती थी। माया एक उज्वल और जिज्ञासु बच्ची थी जिसमें न्याय और करुणा की प्रबल भावना थी। उनका मानना था कि हर बच्चे के साथ दयालुता और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए और उसे आगे बढ़ने दिया जाना चाहिए। एक दिन माया को अपने गाँव के पुस्तकालय में एक फटी हुई किताब मिली। यह बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन था (UNCRC). जैसे ही उसने इसके पृष्ठों को घुमाया, उसने महसूस किया कि दुनिया भर में कई बच्चे उतने भाग्यशाली नहीं थे कि वे उन अधिकारों और विशेषाधिकारों का आनंद ले सकें जिन्हें उसने हल्के में लिया था।

माया ने अपनी पढ़ी कहानियों से प्रेरित होकर कार्टवाई करने का फैसला किया। उन्होंने अपने दोस्तों और सहपाठियों को इकट्ठा किया और "बाल अधिकार अधिवक्ता" नामक एक छोटा समूह बनाया। उनका मिशन बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अपने समुदाय में सकारात्मक प्रभाव डालना था।

माया और उसके दोस्तों ने अपने स्कूल में कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का आयोजन किया, जहाँ उन्होंने कहानियाँ साझा कीं, बाल अधिकारों के महत्व पर चर्चा की, और बदलाव लाने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने महसूस किया कि शिक्षा एक शक्तिशाली साधन है, इसलिए उन्होंने शिक्षा के अधिकार को बढ़ावा देने पर अपने प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने अपने गाँव में उन वंचित बच्चों की सहायता के लिए किताबें, लेखन सामग्री और धन एकत्र करने का अभियान शुरू किया, जिनकी शिक्षा तक पहुँच नहीं थी। माया और उसके दोस्तों ने बच्चों की शिक्षा में निवेश के महत्व को समझाते हुए स्थानीय व्यवसायों और समुदाय के सदस्यों से संपर्क किया। उनके जुनून और दृढ़ संकल्प ने कई लोगों को प्रेरित किया, और जल्द ही दान आने लगा।

अपने द्वारा जुटाए गए धन से, बाल अधिकार अधिवक्ताओं ने अपने गाँव में एक छोटा सा पुस्तकालय स्थापित किया, जो बच्चों को पढ़ने और सीखने के आनंद का पता लगाने के लिए एक जगह प्रदान करता है। उन्होंने बच्चों को उनकी पढ़ाई में सहायता करने के लिए शिक्षण सत्रों और स्कूल के बाद के कार्यक्रमों का भी आयोजन किया। माया और उनके दोस्तों ने यह सुनिश्चित किया कि विकलांग बच्चे पीछे न छूटें, और उन्होंने पुस्तकालय को सभी के लिए सुलभ बनाया।

उनके उल्लेखनीय प्रयासों की खबर गाँव से बाहर फैल गई, जिसने एक प्रसिद्ध बाल अधिकार संगठन का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने माया और उनकी टीम को बाल अधिकारों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया। माया घबरा गई थी लेकिन अपने अनुभवों को साझा करने और दूसरों से सीखने के अवसर के लिए उत्साहित थी।

सम्मेलन में, माया ने अपनी यात्रा और अपने समुदाय में उनके द्वारा किए गए प्रभाव को साझा किया। उन्होंने बच्चों को सशक्त बनाने और उन्हें आवाज देने के महत्व पर जोर दिया। उनका हार्दिक भाषण दर्शकों में सभी के साथ प्रतिध्वनित हुआ, और माया और उनकी टीम को स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

माया की कहानी से प्रेरित होकर, दुनिया के विभिन्न हिस्सों के अन्य बच्चों ने अपने स्वयं के बाल अधिकार अधिवक्ता समूह बनाए। उन्होंने सहयोग किया और विचारों को साझा किया, एक सामान्य लक्ष्य-बाल अधिकारों की रक्षा और बढ़ावा देने की दिशा में काम करने वाले युवा अधिवक्ताओं का एक वैश्विक नेटवर्क बनाया।

माया के समर्पण और दुनिया भर के बच्चों के प्रयासों से सकारात्मक बदलाव आए। सरकारों और समुदायों ने बाल अधिकारों के महत्व को पहचानना शुरू कर दिया, हर बच्चे के कल्याण और विकास को सुनिश्चित करने के लिए नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना शुरू कर दिया। स्कूल समावेशी और पोषण वातावरण बन गए, और बच्चों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने के अवसर दिए गए जो उनके जीवन को प्रभावित करते थे।

माया की कहानी आशा और प्रेरणा का प्रतीक बन गई, लोगों को याद दिलाती है कि चाहे वे कितने भी युवा क्यों न हों, वे दुनिया में एक गहरा बदलाव ला सकते हैं। बच्चों के अधिकार एक केंद्रीय केंद्र बन गए, एक ऐसे समाज का निर्माण किया जहाँ हर बच्चे के सपनों को पोषित किया जाता था, और उनके अधिकारों की रक्षा की जाती थी।

और इसलिए, माया के जुनून और दृढ़ संकल्प ने परिवर्तन की एक लहर को गति दी, बाल अधिकारों को सबसे आगे लाया और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित किया।



अध्याय 12

वॉश

उद्देश्य-आज के सत्र में सुविधा प्रदाता वॉश और अच्छे स्वास्थ्य में रहने में इसकी भूमिका पर सत्र लेंगे। सत्र में वॉश और इसके घटक के बारे में भी बात की जाएगी कि यह स्वस्थ जीवन जीने में कैसे मदद करता है। एक मामला डब्ल्यू. ए. एस. एच. और इसके महत्व को परिभाषित करने के लिए सुकन्या की कहानी साझा की गई है।

स्वागत
और प्रार्थना
उपस्थिति



शांति समुह पत्रिका के माध्यम से अंतिम श्रेणी की चर्चा का रिकैप जो अंतिम श्रेणी के कप्तान द्वारा किया जाएगा।

सत्र 1

वॉश (डब्ल्यू. ए. एस. एच). एक संक्षिप्त नाम है जिसका अर्थ है जल, स्वच्छता और स्वच्छता। यह बच्चों के लिए कई कारणों से आवश्यक है, क्योंकि यह सीधे उनके स्वास्थ्य, कल्याण और समग्र विकास को प्रभावित करता है।



वाँश (जल, स्वच्छता और स्वच्छता) बच्चों के लिए आवश्यक है क्योंकि:

1. स्वस्थ शरीर: स्वच्छ पानी और अच्छी स्वच्छता बच्चों को बीमार होने से बचाती है।
2. कोई रोगाणु नहीं: हाथ धोना रोगाणुओं को फैलने से रोकता है और बीमारियों को रोकता है।
3. मजबूत बढ़ता है: स्वच्छ पानी और उचित पोषण बच्चों को स्वस्थ और मजबूत बनने में मदद करता है।
4. अच्छी तरह से सीखना: जब बच्चे स्वस्थ रहते हैं, तो वे स्कूल में बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और अधिक सीख सकते हैं।
5. अच्छा महसूस करना: वाँश बच्चों को अपने बारे में अच्छा महसूस करने और आत्मविश्वास रखने में मदद करता है।
6. लड़कियों की शिक्षा: स्वच्छ शौचालय होने से लड़कियों को बिना किसी चिंता के स्कूल जाने में मदद मिलती है।
7. आपदाओं के दौरान सुरक्षित: वाँश आपात स्थिति और आपदाओं के दौरान बच्चों को सुरक्षित रखता है।
8. कोई गरीबी जाल नहीं: डब्ल्यूएएसएच स्वस्थ और उत्पादक रहकर परिवारों को गरीबी से मुक्त करने में मदद करता है।



वाँश अभ्यास स्व-मूल्यांकन प्रश्नोत्तरी:

निर्देश: प्रत्येक प्रश्न के लिए सबसे अच्छा उत्तर चुनें और अपनी पसंद के अनुरूप पत्र को घेरें।



1. जल:

- ए) स्वच्छ जल पीना क्यों आवश्यक है?
क) क्योंकि इसका स्वाद बेहतर होता है।
ख) हाइड्रेटेड और स्वस्थ रहना। [उत्तर: ख]

2. स्वच्छ पानी कहाँ से आता है?

- (a) कोई भी स्रोत जैसे नदियाँ या तालाब।
ख) जल उपचार संयंत्र या स्वच्छ कुएँ। [उत्तर: बी]
ग) सही या गलत: जमीन पर बने गड्ढे से पानी पीना ठीक है।
A) सही B) गलत [उत्तर: बी]

2. स्वच्छता (अ) मानव अपशिष्ट के निपटान का उचित तरीका क्या है?

- (a) इसे जमीन पर छोड़ दें।
ख) शौचालय या शौचालय का उपयोग करें। [उत्तर: बी]
ख) शौचालय या शौचालय का उपयोग करना क्यों महत्वपूर्ण है?
ए) क्योंकि यह मजेदार है।
ख) पर्यावरण को स्वच्छ रखना और रोगों को रोकना। [उत्तर: बी]
ग) सही या गलत: झाड़ियों या खुले मैदानों में मल त्यागना ठीक है।
A) सही B) गलत [उत्तर: बी]

3. साफ-सफाई: क) साबुन से हाथ कब धोने चाहिए?

- (क) बाहर खेलने के बाद ही।
ख) खाने से पहले, शौचालय का उपयोग करने के बाद और बाहर खेलने के बाद।
[उत्तर: बी]

ख) सही या गलत: कीटाणुओं से छुटकारा पाने के लिए केवल पानी से हाथ धोना ही काफी है।

A) सही B) गलत [उत्तर: बी]

ग) छींकते या खांसते समय अपने मुंह और नाक को ढंकना क्यों महत्वपूर्ण है?

(क) अच्छा व्यवहार दिखाना।

बी) दूसरों में कीटाणुओं के प्रसार को रोकने के लिए। [उत्तर: बी]

4. सुरक्षित पेयजल: क) आप कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि आप जो पानी पीते हैं वह सुरक्षित है?

(क) नदी या झील से सीधे पानी पीएँ।

बी) किसी विश्वसनीय स्रोत से पानी पीएँ या पानी फिल्टर का उपयोग करें। [उत्तर: बी]

ख) सही या गलत: जब तक साफ दिखाई दे तब तक किसी भी स्रोत से पानी पीना ठीक है।

A) सही B) गलत [उत्तर: बी]

5. अपने आस-पास साफ-सफाई रखें: क) अपने रहने के स्थान और स्कूल को साफ रखना क्यों महत्वपूर्ण है?

क) ताकि वयस्क खुश रहें।

ख) रोगों को रोकने और स्वस्थ रहने के लिए। [उत्तर: बी]

ख) आप अपने आस-पास के वातावरण को साफ रखने में कैसे मदद कर सकते हैं?

ए) जमीन पर कचरा फेंक दें।

ख) कचरा डिब्बे और पुनर्चक्रण डिब्बे का उपयोग करें। [उत्तर: बी]

6. शौचालयों का उपयोग जिम्मेदारी से: क) शौचालय का उपयोग करने के बाद आपको क्या करना चाहिए?

ए) अपने हाथों को साबुन और पानी से धोएँ।

(ख) बिना कुछ किए चले जाएँ। [जवाब: ए]

ख) सही या गलत: शौचालय में कचरा फेंकना ठीक है।

A) सही B) गलत [उत्तर: बी]

स्कोरिंग: प्रत्येक सही उत्तर के लिए, अपने आप को 1 अंक दें।

यह देखने के लिए अपने अंक जोड़ें कि आपने कितना अच्छा प्रदर्शन किया है:

6 अंक: शानदार! आप वाँश प्रथाओं के बारे में बहुत कुछ जानते हैं।

4-5 अंक: अच्छा काम है! वाँश की आदतों को सीखते रहें और उनका अभ्यास करते रहें।

3 अंक या उससे नीचे: कोई चिंता नहीं! वाँश के बारे में अपने ज्ञान को बेहतर बनाने के लिए अध्ययन करते रहें और सवाल पूछते रहें।

सत्र: 2:

वाँश पर वीडियो

मोबाइल से स्कैन करें और वाश पर वीडियो देखें





प्रार्थना

इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हर तरफ़ जुल्म है, बेबसी है
सहमा-सहमा सा हर आदमी है
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए
जाने कैसे ये धरती थमी है
बोझ ममता से तू ये उठा ले
तेरी रचना का ये अंत हो ना
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
हम अंधेरे में हैं, रोशनी दे
खो ना दें खुद को ही दृमनी से
हम सज़ा पाएँ अपने किए की
मौत भी हो तो सह लें खुशी से
कल जो गुज़रा है, फिर से ना गुज़रे
आने वाला वो कल ऐसा हो ना
हम चले नेक रस्ते पे, हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना
इतनी शक्ति हमें देना, दाता
मन का विश्वास कमज़ोर हो ना

ऐ मलिक तेरे बंदे हम ऐ मालिक तेरे बंदे
हम ऐसे होन हमारे करम नेकी पर चलें
और बड़े से ताले ताकी हंसते हुए निकले
दाम

ये अंधेरी घाना छा रहा तेरा झंसा घबरा रहा
हो रहा बेखर, कुछ ना आता नजर सुख का
सूरज छपा जा रहा है तेरी रोशनी में जो
दाम भी अमावास को कर दे पूनाम नेकी
पर चलें और बड़ी से ताले ताक्की हंसते
हुए निकल दाम

जब जुल्मों का हो सामना तब भी ही है हम
थमाना वो बुराए करे हम भले भरे नहीं
बदाले की ही कामाना बढ उथे प्यार का
हर कदम और मिते बैर का ये भारत नेकी
पर चलें और बड़े से तलेन ताकी हंसते हुए
निकल दाम

बड़ा कामज़ोर है आदामी, अभी लाखों हैं
इसामेन कमी पर तो जो खड़ा है दयालु
बड़ा तेरे किरापा से धरती तमी दिया तूने
हमे जब जानम तो ही झेलेगा हम साबके
गम नेकी पर चलें और बड़े से ताले तक
हंसते हुए निकले दाम



Caritas[®]
INDIA
The Joy of Service...



[FACEBOOK.COM/CARITASINDIA](https://www.facebook.com/CARITASINDIA)



[TWITTER.COM/CARITAS_INDIA](https://twitter.com/CARITAS_INDIA)



[YOUTUBE.COM/USERS/CARITASINDIA1962](https://www.youtube.com/users/CARITASINDIA1962)

कारितास इंडिया
सीबीसीआई सेंटर,
1 अशोक प्लेस,
नई दिल्ली-110001

WWW.CARITASINDIA.ORG